

ARBIT



Failure Is Gradual and Then Sudden!

Like businesses, many other human endeavours can go wrong following this gradually-then-suddenly trajectory.

Universe Has a Background 'Hum'

Diona: Watering Hole To Cool

Large-scale motion of everything in the universe

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

Rashtrdoot

epaper.rashtradoot.com



जैन्दू पैग्विन विश्व की सबसे ज्यादा तेज गति से तैरने वाली चिड़िया है। हाल ही में जर्नल “फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स” में छपे एक शोध में जैन्दू पैग्विन की इस क्षमता का पता चला है और वैज्ञानिकों का कहना है कि इस जानकारी से अत्याधुनिक अक्वैटिक वाहनों के विकास में मदद मिल सकती है। चाइनीज अकैडमी ऑफ साइन्सेज तथा किंग मोंगकूट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलोजी लदक्राबांग के वैज्ञानिकों ने जैन्दू पैग्विन की रफ्तार में निहित भौतिक विज्ञान को स्पष्ट किया। जैन्दू पैग्विन को प्रकृति की इंजीनियरिंग का करिश्मा भी कहा जाता है। पिलपर्स की तरह दिखने वाले इनके पंखों की तुलना हवाई जहाज के पंखों से की जाती है जिन्होंने पानी के अंदर के जीवन के साथ अनुकूलन कर लिया है। आसमान में उड़ने वाले पक्षियों के बड़े व लम्बे पंखों के विपरीत जैन्दू पैग्विन के पंख छोटे व चपटे होते हैं, जिन पर शल्क नुमा छोटे-छोटे पंख होते हैं। इस यूनीक डिजाइन के कारण पानी के अंदर इनकी तैरने की कुशलता इतनी उच्च स्तर की होती है। पानी के अंदर पैग्विन की निपुणता उसके पंखों की बनावट पर निर्भर है। घने एवं छोटे आकार के पंरों की वजह से पैग्विन की त्वचा व पानी के बीच हवा की परत बन जाती है जिससे घर्षण और विक्षोभ कम हो जाता है। बिना किसी बाधा के हिलने वाले पंखों के कारण पैग्विन को पानी दूर धकेलने में तथा जमीन पर संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। शोध के सहलेखक प्रोफेसर प्राणमोन्धन ने कहा, हमारी रिसर्च टीम हमेशा से उन जीवों के बारे में जिज्ञासू थी जो मानव के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। उन्होंने एक “हायड्रोडायनेमिक” मॉडल बनाकर पैग्विन के अक्वैटिक करतबों का अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि, शोध के नतीजों से नए अत्याधुनिक जलयौ वाहन बनाने में मदद मिल सकती है।

मुख्य सचिव का कार्यकाल बढ़ा

जयपुर, 29 जून (का.सं.)। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डी.ओ.पी.टी.) ने मुख्य सचिव उषा शर्मा का कार्यकाल छह माह के लिये आगे बढ़ा दिया गया है। शर्मा का रिटायरमेंट 30 जून

■ ज्ञातव्य है कि, उषा शर्मा 30 जून को रिटायर होने वाली थीं।

को होना था, लेकिन अब 31 दिसंबर तक कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। उन्हें 31 जनवरी 2022 को मुख्य सचिव पद पर नियुक्त किया गया था। इससे पहले वे करीब (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?

कान की मशीनें स्पीच थेरेपी फ्री सुनाई की जाँच TRIAL OF HEARING AID

CALL FOR APPOINTMENT +91 94602 07080

PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR

www.perfecthearingolutions.com

“अजमेर 92” फिल्म पर रोक के लिए याचिका दायर

जयपुर, 29 जून (का.सं.)। अजमेर में स्कूल और कॉलेज जाने वाली दर्जनों लड़कियों के साथ हुए दुष्कर्म को लेकर बनाई गई फिल्म “अजमेर 92” के प्रदर्शन पर रोक लगाने को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका पेश की गई है।

■ राजस्थान हाई कोर्ट में अंजुमन मोइनिया ख्वाजा साहब दरगाह शरीफ की ओर से याचिका दायर की गई और 14 जुलाई को सिनेमाघरों व ओ.टी. टी. पर हो रहे फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की गई है।

अंजुमन मोइनिया, फखरिया चिशितया खुदाम ख्वाजा साहब, दरगाह शरीफ की ओर से दायर इस याचिका पर हाई कोर्ट आगामी दिनों में सुनवाई करेगा। याचिका में अधिकवक्ता अजय सिंह ने कहा है कि, फिल्म के ट्रेलर में घटना (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिये मीडिया “इन्फ्लुएन्सर्स” को ठेका देगी सरकार

केन्द्रीय सरकार के आई.टी. विभाग ने यह ठेका देने के लिये निविदा जारी की है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अपने डिजिटल मीडिया प्रचार को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए आई.टी. मंत्रालय ने स्वतंत्र एजेंसी को नियुक्त करने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। यह एजेंसी विभिन्न मंत्रालयों की उपलब्धियों का प्रचार करने के लिये सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की सेवाएं लेगी।

मंत्रालय ऐसी एजेंसी को नियुक्ति के लिये टेंडर जारी कर चुका है जो सरकार तथा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के बीच सेतु का कार्य करेंगी।

केन्द्र सरकार की “माय गव” परियोजना डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन का एक हिस्सा है। मंत्रालय की यह शुरुआत इस परियोजना की पहुंच को बढ़ाने पर केंद्रित है। यह परियोजना 21

ये “इन्फ्लुएन्सर्स” फेसबुक, यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम, कू, बोलो इंडिया व मित्रों प्लेटफॉर्मस पर सरकार की उपलब्धियां पेश करेंगे।

सरकार का मानना है, परम्परागत मैसेज प्रसार के साधन, टी.वी. व समाचार पत्रों की विश्वसनीयता कम हो गयी है और इन प्लेटफॉर्म पर दिये गये विज्ञापनों का ज्यादा असर नहीं हो रहा है। यह विशेषकर, टी.वी. पर लागू होता है, विशेषज्ञों के अनुसार।

राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में सक्रिय है तथा फेसबुक, यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम, कू, बोलो इंडिया तथा मित्रों जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर मौजूद है।

जैसा कि सरकार को समझ आ गया लगता है, पारम्परिक मीडिया (टेलीविजन चैनल तथा समाचार पत्र) असंगत होने जा रहे हैं। बड़े तौर पर इसका कारण गत नौ सालों में “गोदी मीडिया” कहे जाने वाले मीडिया का

विश्वसनीयता खो देना है। विशेष रूप से टेलीविजन मीडिया की विश्वसनीयता को चोट पहुंचने से सरकार प्रत्यक्षतः स्वतंत्र हास्य कलाकारों, भजन गायकों, ब्लॉगर्स, नर्तकों तथा ऐसे इन्फ्लुएंसर्स को जोड़ना चाहती है जिनके यू-ट्यूब पर पर्याप्त फॉलोअर्स हैं। गत महीनों में केन्द्रीय मंत्रियों सहित भाजपा के नेता अमित भंडाना और रणवीर इलाहबादी जैसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी की “ज़िद” व प्र.मंत्री की चुप्पी का क्या कारण है?

जब राहुल के कारों के कारवां को मणिपुर के सबसे अशांत क्षेत्र में जाने से रोका गया और भाजपा के गृह मंत्री के अलावा कोई और नेता मणिपुर नहीं जा रहा, तो कई सवाल उठना स्वाभाविक ही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। विगत 3 मई से हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के लोगों तक पहुंचने की राहुल गांधी की इच्छा तब पूरी हुई जब उन्हें सर्वाधिक प्रभावित जिलों में से एक चड़चंदपुर जाने के लिए हेलीकॉप्टर लेना पड़ा। क्योंकि उनका सड़क से जा रहा कारवां राज्य पुलिस ने कथित सुरक्षा कारणों से रोक दिया।

राहुल गांधी की यात्रा सत्तारूढ़ भाजपा के एकदम विपरीत है जिसके गृह मंत्री अमित शाह, जो 29 मई की तीन दिवसीय यात्रा के लिए मणिपुर गए थे, के अलावा साम्प्रदायिक आग में झुलस रहे इस राज्य में कोई नहीं गया। व्यर्थ बातों के लिए सोशल मीडिया पर आने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर की त्रासदी पर पूरी चुप्पी साध रखी है, जबकि वहां डबल इंजन सरकार है।

मणिपुर 3 मई से जल रहा है। राज्य के

■ प्रदेश की सरकार ने कहा कि, अगर राहुल को सड़क मार्ग से अपने काफिले के साथ जाने की अनुमति दे दी जाती तो, इससे एक “प्रिंसिपैस” (उदाहरण) स्थापित हो जाता, जो शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये ठीक नहीं होता।

■ कांग्रेस के अनुसार प्रदर्शनकारी महिलाएं इसलिये उत्तेजित थीं कि, राहुल अशांत क्षेत्र के लोगों से केवल बात करने आ रहे थे, अतः उन्हें रोकना अनुचित था।

■ भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा का आरोप था कि, राहुल गैर जिम्मेदाराना तरीके से केवल राजनीति करने आये थे, अतः उन्हें रोकना जरूरी था। इस तर्क से वे प्र.मंत्री मोदी की चुप्पी को जिम्मेवार निर्णय मानते हैं। पात्रा के अनुसार दंगा पीड़ितों को ठण्डे छांटे देना ज्यादा जरूरी है राजनीति करना नहीं।

राजधानी इम्फाल घाटी के आसपास रहने वाले मैती और पहाड़ों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच चल रहे

टकराव में 110 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। पहले कांग्रेस ने मांग की थी कि हिंसा प्रभावित मणिपुर में एक सर्वदलीय

प्रतिनिधिमंडल को जाने दिया जाय जो स्थिति का अध्ययन कर और लोगों से बातचीत कर इस उत्तर पूर्वी राज्य में चल रही समस्या का समाधान खोजें।

समस्याग्रस्त मणिपुर से कम से कम तीन राजनैतिक प्रतिनिधिमंडल, दो भाजपा और एक राज्य कांग्रेस से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने में असफल रहे हैं हालांकि वे कुछ दिनों से राजधानी में डेरा डाले हुए हैं।

आज पहले राहुल गांधी के कारवां को चड़चन्द्रपुर जाते समय पुलिस ने रोका जो राज्य में सर्वाधिक हिंसा प्रसिप्त इलाकों में है। कांग्रेस नेता राज्य की दो दिवसीय यात्रा पर है।

पुलिस ने कहा कि राहुल गांधी का कारवां इम्फाल से 20 किलोमीटर पहले बिष्णुपुर में सुरक्षा कारणों से रोका गया। कांग्रेस नेता वापस इम्फाल गए और वहां से हेलीकॉप्टर से जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि राहुल गांधी जिस रास्ते पर

यात्रा कर रहे थे उस पर बहुत सी महिला प्रदर्शनकारी थीं।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति का डर है इसलिए हमने कारवां को बिष्णुपुर में रोकने की प्रार्थना की। लेकिन कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि, महिलाएं राहुल गांधी को रोकने के कारण पुलिस के विरोध में प्रदर्शन कर रही थीं और वे चाहती थीं कि राहुल चड़चंदपुर तथा उनके गांव का दौरा करें।

एक प्रदर्शनकारी महिला ने पूछा, “वे मणिपुर आए हैं देखने के लिए कि लोगों पर क्या बीत रही है। वे यहां राजनीति करने नहीं आए हैं। उनका रास्ता क्यों रोका जा रहा है।”

मई में दंगे शुरू होने के बाद राज्य में करीब 300 राहत शिविरों में लगभग 50,000 लोग रह रहे हैं। मणिपुर में दंगे तब आरंभ हुए, जब अनुसूचित जनजाति की मांग पर मेइती समुदाय (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष का अगला महासम्मेलन बेंगलुरु में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। गुरुवार को नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के प्रमुख शरद पवार ने घोषणा की कि विपक्ष की आगामी बैठक 13 व 14

■ पहले चर्चा थी कि, पटना के बाद अगली बैठक शिमला में होगी पर खराब मौसम के कारण शिमला को कैंसिल कर दिया गया, फिर जयपुर का नाम भी जोरों पर चला, अंततः बेंगलुरु में 13 व 14 जुलाई को बैठक होना तय हुआ है।

जुलाई को बेंगलुरु में होगी। एन.सी.पी. प्रमुख ने जोर देकर यह भी कहा कि पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैचैन हो गए (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां अपने आवास पर देर रात गृह मंत्री अमित शाह और भाषणा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ लंबी उच्च स्तरीय बैठक की। इसके केन्द्रीय मंत्रिमण्डल और भाजपा संगठन में फेरबदल और उन राज्यों में बदलाव किये

■ दिल्ली के राजनैतिक हलकों में केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा इसलिए जोरों पर है, क्योंकि, प्र.मंत्री मोदी ने गुरुवार को गृह मंत्री शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से लम्बी चर्चा की थी।

जाने संबंधी अनुमानों को बल मिला जहाँ इस साल के अंत में चुनाव होने हैं।

ऐसे भी अनुमान लगाए जा रहे हैं कि भाजपा केरल में राह बनाने के लिये जितनी उत्सुक है, उसे देखते हुए मलयालम फिल्मों के सुपर स्टार सुरेश गोपी को मंत्री पद मिल सकता है।

जुलाई के तीसरे सप्ताह में संभावित (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यपाल ने जेल भेजे गये मंत्री को मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया

राज्य के मु.मंत्री ने कहा कि, मंत्री पद से बर्खास्त करने का कोई अधिकार नहीं है राज्यपाल को

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। चेन्नई में केन्द्र और राज्य का झगड़ा बढ़ता ही जा रहा है क्योंकि तमिलनाडू के राज्यपाल आर.एन. रवि ने राज्य के मंत्री सैथिल बालाजी को बर्खास्त कर दिया है जो कि मनी लॉडरिंग के केस में न्यायिक हिरासत में हैं। मंत्री को 14 जून को ई.डी. ने हिरासत में लिया था। गिरफ्तारी के थोड़ी देर में ही उनके सीने में दर्द होने लगा और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया वहां डॉक्टर्स ने उनकी सर्जरी की सलाह दी। वे तब से ही अस्पताल में हैं पर अदालत ने उनकी हिरासत अवॉध बढ़ा दी है।

राज्यपाल लगातार इसी बात पर जोर दे रहे थे कि मंत्री को हटया जाए लेकिन मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने ऐसा करने से मना कर दिया और उन्हें बिना विभाग का मंत्री बनाए रखा।

गुरुवार राज्यपाल ने राजभवन से एक बयान जारी कर मंत्री को बर्खास्त करने की घोषणा कर दी। इस तरह का निर्णय लम्बे समय बाद लिया गया है।

■ तमिलनाडू के मु.मंत्री ने इस बर्खास्तगी के मुद्दे को गैर कानूनी बताते हुए हाई कोर्ट की शरण में जाने का निर्णय लिया।

■ राज्यपाल ने अपने बर्खास्तगी के आदेश के पक्ष में तर्क दिया कि, ई.डी. ने मंत्री को नौकरी देने के एवज में रिश्तत लेने के भ्रष्टाचार के मामले में हिरासत में लेने का प्रयास किया था, क्योंकि गवर्नर के अनुसार पद पर रहते हुए, मंत्री जांच को प्रभावित कर सकते थे।

■ मु.मंत्री ने उन्हें बिना विभाग का मंत्री बना दिया, क्योंकि, मंत्री महोदय ने अस्पताल में भर्ती होकर हार्ट की बाइपास सर्जरी की सिफारिश करा ती थी डॉक्टरों से।

■ कुछ ऐसा ही मामला पड़ोसी राज्य केरल में हुआ था, जब राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने केरल के राज्य वित्त मंत्री को बर्खास्त कर दिया था, पर, उन्हें फिर अपना निर्णय वापस लेना पड़ा था।

बयान में कहा गया है कि मंत्री थिरु वी. सैथिल बालाजी पर भ्रष्टाचार के कई मामलों में अपराधिक कार्यवाही चल रही है, जिनमें नौकरी के बदले पैसे लेने और

मनी लॉडरिंग के आरोप हैं। “मंत्रों के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए वे जांच को प्रभावित (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

संविधान लागू हुये 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं फिर भी राज्य और ‘‘हम लोग’’ उसकी अवज्ञा कर रहे हैं।

स्वतंत्रता की लड़ाई से हम लोगों को जो वरदान (अधिकार) मिला वह अनमोल था। उसने ‘हम लोगों’ को उनकी रूचि के अनुसार संविधान बनाने का अधिकार दिया जो उनके Ethos Je Aspiration के अनुरूप हो। देश के लोगों के प्रतिनिधि संविधान का ड्राफ्ट बनायेंगे। भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न राष्ट्र बनायेंगे। इस हेतु विधानसभा का सत्र बुलाया गया। इसका रोल Constituent व Legislative असेम्बली का था।

विषय की गम्भीरता के अनुसार ही असेम्बली के प्रेसीडेण्ट ने एक एडवाईजरी कमेटी बनाई और रेफरेन्स के टर्म घोषित किये। कमेटी ने सुझाव दिया कि विधान Federal होगा तथा केन्द्र मजबूत होगा। बाद में संविधान बनाने के लिए एक ड्राफ्ट कमेटी बनाई गई। ड्राफ्ट कमेटी ने भारत के संविधान का ड्राफ्ट बनाया। एक एक शब्द पर बहस हुई थी। ड्राफ्ट कमेटी ने जो संविधान का ड्राफ्ट तैयार किया उसमें 315 अनुच्छेद व 8 अनुसूचियां थीं। ड्राफ्ट पर क्लॉज वाईज बहस भी हुई थी और अंतिम रूप से यह संविधान बना उसमें 3९5 अनुच्छेद 8 सूचियां थीं। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मोपार्जित किया। प्रारूपण समिति ने सभापति डा. अम्बेडकर ने 25/26 नवम्बर 1949 को निम्नलिखित सावधानी के शब्द कहे थे और लगभग यही विचार संविधान सभा के अध्यक्ष डा. राजेन्द्र प्रसाद ने कहे थे। वे इस प्रकार थे:–

“मैं महसूस करता हूँ कि संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि वे लोग जिन्हें संविधान को अमल में लाने का काम सौंपा जाये, खराब निकले तो निश्चित रूप से संविधान खराब सिद्ध होगा, किन्तु दूसरी ओर संविधान कितना ही खराब क्यों न हो वे लोग जिन्हें संविधान को अमल में लाने का काम सौंपा जाये अच्छे हों तो संविधान अच्छा सिद्ध होगा”।

संविधान को देश हित में तथा लोगों के सुनहरे सपने पूरे करने के उद्देश्य से कई बार संशोधन करना पड़ा है। संशोधन में 125 के लगभग संविधान संशोधन विधेयक पारित हो चुके हैं।

हम लोगों ने नीति निर्देशक तत्वों को सही रूप से आज तक नहीं समझा। देश ने तरक्की की, किन्तु कई विषयों को संविधान को, संविधान निर्माताओं की भावना के अनुरूप क्रियाचिन्त नहीं किया। हमारा आचरण सुधार वादी न होकर Retrogate (पश्चगामी कदम) रहा है।

इस लेख में उदाहरण के तौर पर यह लिखने का प्रयास किया है कि प्रतिगामी कदम के कारण हम उन्नति में पीछ रह गये। हम लोगों के सपने पूरे नहीं हुये। काश, यदि हम संविधान की अक्षर अक्षर पालना करते तो देश बहुत ऊँचाईयों तक पहुँच चुका होता। हम लोगा दुनिया के बाँस होते। इस लेख में केवल कुछ मामलों का उल्लेख है:–

शिक्षा : अनुच्छेद 45 में यह व्यवस्था दिनांक 26.1.1950 को इस प्रकार थी, **The State shall endeavour to provide, within a period of ten year from the commencement of this Constitution, for free and compulsory education for all children until they complete the age of fourteen years.**

अनुच्छेद 45 Constitution 97 Amendment Act 2011 से लागू हुआ। पुराने अनुच्छेद 45 को संशोधन एक्ट के द्वारा दो भागों में बांट दिया गया। अनुच्छेद 45 व अनुच्छेद 21ए वें इस प्रकार हैं:–

अनुच्छेद 21ए : शिक्षा का अधिकार – राज्य 6 वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले सभी बालकों के लिये नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा देने का ऐसी रीति में, जो राज्य विधि द्वारा, अवधारित करे, उपबन्ध करेगा। अनुच्छेद 45 : राज्य सभी बालकों के लिये छः वर्ष की आयु पूरी करने तक, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख (Care) और शिक्षा देने के लिये उपबन्ध करने का प्रयास करेगा।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि संविधान के लागू होने के समय अनुच्छेद 45 के अनुसार यह व्यवस्था थी कि राज्य संविधान लागू होने से 10 वर्ष की अवधि में सभी बालकों को नि:शुल्क व अनिवार्य एजुकेशन उनकी आयु 14 वर्ष तक पूरी होने तक प्रदान करेगा। उसके स्थान पर अनुच्छेद 45 में नई व्यवस्था के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा का उपबंध उन बालकों को देगा जिन्होंने आयु 6 वर्ष पूरी कर ली है। अनुच्छेद 21ए के अनुसार राज्य 6 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु वाले सभी बालकों के लिये नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा देने का ऐसी रीति में राज्य विधि द्वारा अवधारित कर उपबन्ध करेगा।

उपरोक्त व्याख्या के अनुसार Free व Compulsory शिक्षा अनुच्छेद 45 के अनुसार 14 वर्ष तक के बच्चों की शिक्षा संविधान लागू होने के 10 वर्ष की अवधि में पूरी हो जानी थी, किन्तु देश की इस पीढ़ी को शिक्षित नहीं बनाया गया। 26.01.1960 तक कोई भी बालक/बालिका अशिक्षित नहीं रहते और बिना पढ़े-लिखे अनेक संसद व विधायक कानून नहीं बनाते। उपरोक्त वर्तमान व्यवस्था के अनुसार 6 वर्ष से कम के बालक/बालिकाओं शिक्षा का मूल अधिकार ही नहीं है। शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के अनुसार 6 वर्ष के बच्चों के लिये पर्याप्त स्कूल नहीं है। प्राइवेट स्कूल में Compulsory शिक्षा उन विद्यार्थियों की दी जाती है जो आर्थिक रूप अथवा अन्य प्रकार से कमजोर हैं। राज्य को अपने स्कूल में जो खर्चा आता है, वह प्राइवेट स्कूलों को देना होता है। शिक्षा का मौलिक अधिकार 6 से 14 वर्ष के बालकों को है। अनुच्छेद 45 में 6 वर्ष से कम आयु के बालकों के लिये प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखरेख का दायित्व राज्य सरकार का है, किन्तु इस हेतु उचित व्यवस्था नहीं है। इस प्रकार राज्य संविधान की अवज्ञा कर रहा है। सरकार Free व Compulsory Education व Care का सही अर्थ नहीं समझ रही है। अनुच्छेद 13 of ICESCR] अनुच्छेद 26(2) UDHR घोषणा करता है कि Education shall be directed to the full development of human personality. Every one has the right to education, education shall be free at least in the elementary and fundamental stage. Elementary education shall be compulsory. Technical and Professional education shall generally be available and higher education shall be equally accessible to all on the basis of merit.

समान सिविल संहिता – इसे लागू करने का दायित्व राज्य का है। संविधान सभा ने अनुच्छेद 44 को संविधान का एक भाग बनाया है और देश ने इसे अंगीकृत किया है अतः किसी भी नागरिक को यह कहने का अधिकार नहीं है कि वह समान नागरिक संहिता का विरोध करता है। उनके धर्म के विरुद्ध है। राज्य को संविधान के अनुच्छेद 44 से हटाने का अधिकार नहीं है। संविधान का यह अभिन्न अंग है, इस कारण संशोधन भी नहीं किया जा सकता। शराबबंदी: अनुच्छेद 47 में शराबबंदी की बात की है। हमारा देश कल्याणकारी राज्य है। शराब की आय से कल्याणकारी राज्य का संचालन नहीं हो सकता यह अनेतिक है। चूँकि शराब पीना सब पापों की जड़ है। अनुच्छेद 47 को संविधान सभा ने नीति निर्देशक तत्वों के चेप्टर में जगह दी थी। राजस्थान में शराबबंदी कानून लागू था अर्थात् नीति निर्देशक तत्व लागू किये थे। राजस्थान में शराबबंदी का कानून लाया गया था यह जन स्वास्थ्य के हेतु अच्छा कदम था, शराब की बिक्री को पुनः वापिस लाना, पश्चगामी कृत्य है। गांधीजी शराब के विरोधी थे। अनुच्छेद 120: संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा – भाग 17 में किसी बात के होते हुये भी, किन्तु अनुच्छेद 348 के उपबन्धो के अधीन रहते हुये संसद में कार्य हिन्दी में या अंग्रेजी में किया जावेगा जब तक संसद विधि द्वारा अन्यथा उपबन्ध तब तक इस संविधान के प्रारम्भ से 15 वर्ष की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो ‘या अंग्रेजी में’ शब्दों को उसमें लोप कर दिया है। इस प्रकार संविधान के लागू होने से 15 वर्ष बाद केवल हिन्दी ही संसद की भाषा होनी थी किन्तु प्रेक्टिस में अभी भी अंग्रेजी का अधिक व्यवहार होता है। संविधान कहता है जो हिन्दी नहीं जानता उसे संसद में अपनी मात्र भाषा में बोलने का अधिकार है। अनुच्छेद 334: संविधान के लागू होने के पश्चात 10 वर्ष के बाद (क) लोकसभा में और राज्यों की विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण प्रभावी नहीं रहेगा। अंग्रेजी में इसे इस प्रकार लिखा है **Shall cease to have effect on the expiration of 10 years from the commencement of this Constitution.** 1० वर्ष की यह अवधि Sunset Laws के अनुरूप थी, 10 वर्ष के बाद आरक्षण स्वतः ही समाप्त हुआ है। राज्य ने अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों को जो आरक्षण लोकसभा/विधानसभा के लिये थे उसे Constitutional Amendment द्वारा प्रत्येक 10 वर्ष बाद बदल दिया गया है। 1० वर्ष पश्चात 80 वर्ष कर दिया गया है। जबकि अनुच्छेद 334 जो शब्दावली प्रयोग में लायी गई है उसका अर्थ Automatic समाप्ति है। इस व्याख्या के आधार पर एक रिट याचिका राजस्थान हाईकोर्ट में पेश की गई थी, उसे सुप्रीम कोर्ट को ट्रांसफर कर दिया गया है क्योंकि वहां कई रिट याचिकायें वर्षों से पेन्डिंग हैं। स्पष्ट है राज्य ने इस दृष्टि से नहीं सोचा और न्यायालय का निर्णय भी अभी तक नहीं आया। वोटों के लाचर्य में सभी राजनैतिक पार्टियां इन केसों के जल्दी निर्णय में रूचि नहीं रखती।

वस्तुतः 25.1.196० के बाद आरक्षण स्वतः ही समाप्त हो गया था। इसका कारण यही है कि राज्य व हम लोगों ने कानून को सही रूप से नहीं समझा। संविधान का भाग IX व भाग IXA : ये The Constitutional (Seventy Third Amendment) Act 1992 से संविधान का भाग बने। इसके अनुसार दिनांक 23.4.1993 से पंचायतें व नगरपालिकायें कॉर्पोरेट बॉडी न रहकर क्रमशः अनुच्छेद 243(डी) व 243(ई) के तहत भाग IX व भाग IXA के तहत गठित स्वायत्त शासन की संस्थायें मानी गईं और नगरपालिका के अधिनियम अनुच्छेद 243 ZF की पालना नहीं की। राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 रिपॉल हो गया। नगरपालिका Institution of self government नहीं है। जबकि नगरपालिका अधिनियम भाग IXA के अनुसार संशोधित किया जाना था, अथवा नया कानून बनाना था जो नहीं हुआ। इस प्रकार नगरपालिका अधिनियम 2009 अर्थहीन व प्रभाव शून्य हो चुका है और इसका गठन तथा इसके द्वारा लगाया गया टैक्स अधिकार शून्य व अवैध है। इसका अर्थ है राजस्थान राज्य संविधान के अनुरूप शासन नहीं कर रहा है और संविधान की अवज्ञा हो रही है।

–अतिथि सम्पादक, पानाचन्द जैन पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

फर्जी दस्तावेज के आधार पर जालोर हाउसिंग बोर्ड की भूमि हड़पी

जालोर, (कासं)। जालोर पुलिस थाना में जालोर हाउसिंग बोर्ड के लिए आवंटित भूमि पर गलत तरीके से एनओसी के झूठे तथ्य के आधार पर खातेदारों द्वारा भूमि के बेचान करने पर आमदा होने तथा उक्त भूमि को हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने को लेकर मामला दर्ज हुआ है।

प्रकरण के अनुसार दीपक बिस्सा

■ भूमि को हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने को लेकर मामला दर्ज हुआ

आवासीय अधियंता खण्ड प्रथम सेक्टर ग्यारह चौपासनी हाउसिंग बोर्ड जोधपुर ने जालोर कोतवाली में रिपोर्ट पेश कर बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल की आवासीय योजना ग्राम जालोर बी पटवार हल्का लेटा में खसरा नम्बर 5272 रकबा 1.33 हैक्टर, खसरा नम्बर 5273 कुल रकबा 6.27 हैक्टर की भूमि आयी हुई है जो कि पूर्व में मेथी देवी पत्नी रतना माली के नाम से आयी हुई थी। जिसको आवासन मंडल ने 14 अगस्त 2013 के ज़रिये अवाई जारी किया गया तथा अवाई जारी करने के बाद इस आराजी पर कब्जा फर्द बना कर कब्जा वर्ष 3 मई 2016 में राजस्थान आवासन



जालोर हाउसिंग बोर्ड के लिए अवाप्त भूमि हड़पने की नियत से साफ-सफाई की गई।

मण्डल द्वारा ले लिया गया। तब से लगातार कब्जा राजस्थान आवासन मण्डल का है एवं इस भूमि का नियोजन किया जा चुका है। इसके बाद मेवी देवी के अवाई राशि का चैक जारी किया गया तथा मेथी देवी की अवाई गति न्यायालय में जमा है। जिसका भूमि अवाप्ति अधिनियम के तहत सिविल कोर्ट जालोर में 2015 में प्रकरण सीजेएम कोर्ट जालोर में विचाराधीन है तथा मेथी देवी के वारिमान को इस

बात की जानकारी है कि यह आवासन मण्डल की अवाप्तशुदा आराजी है तथा इसका सिविल कोर्ट में प्रकरण मेथी देवी के वारिसान जशोदा पुत्री अम्बालाल, भवानी सुदेश पुत्र अम्बालाल, राजेन्द्र कुमार पुर अम्बालाल, सुमटी पतिन अम्बालाल, हेमलता पुत्री अम्बालाल ने सिविल प्रकरण में अपना जवाब भी पेश किया है। जिसमें भी स्वीकार किया है कि भूमि अवाप्त है। इसके बाद आज रोज

हमको यह ज्ञात हुआ कि उक्त आराजी पर मेथी देवी के वारिसान साफ सफाई जैसीबी आदि लगाकर काम करवा रहे हैं तो मौके पर पहुंचे तथा वहां कार्य कर रहे मजदूरों से पूछा तो उन्होंने बताया कि राजेन्द्र कुमार व कन्हैयालाल की जमीन है तथा वे यहाँ सफाई करवा रहे हैं तथा प्लोटिंग करेंगे और एक मजदूर मनीष पुत्र मोहनलाल माली निवासी जालोर ने कन्हैयालाल के मोबाईल नम्बर

प्लॉट पर कब्जा करने की नियत से दबंगों ने दलित महिला के साथ मारपीट की

भीलवाड़ा, (निस्)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के मोड़ का निंबाहेड़ा कस्बे में गुरुवार सुबह दलित महिला के साथ मारपीट कर कब्जा करने की नियत से ईंटों के टुकड़े डाल दिए। परिवार ने विरोध किया तो दबंग व्यक्ति बाइक पर आए और धमकियां देने लगे।

दलित बस्तियों से बाईपास निकला तो भूमाफिया सक्रिय हो गए। भूमाफिया व्यावर-भीलवाड़ा मुख्य मार्ग पर बसे मोड़ का निंबाहेड़ा कस्बे में से नेशनल हाईवे गुजरने के बाद कस्बे की दलित बस्तियों से बाईपास रोड निकल गया, जिसके चलते जमीनों की कीमतेें आसमान छूने लगी। इसी दौरान दलित बस्तियों पर खाली पड़े प्लाटों पर कब्जा करने की नियत से माफिया सक्रिय हो गए एवं प्रशासनिक मिलीभगत से पट्टे बनाकर अन्य लोगों को लगातार परेशान कर



मोड़ का निंबाहेड़ा कस्बे का पीड़ित परिवार।

रहे हैं। जिसके चलते आमजन में दहशत का माहौल है।

मोड़ का निंबाहेड़ा निवासी सुगना कालबेलिया पति राजू

कालबेलिया ने आसींद थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि उनके प्लॉट के सामने कमलेश पिता शांतिलाल राव एवं मुकेश पिता शांतिलाल राव ने

हमारे ही परिवार के लोगों से प्लॉट खरीदा था। जिसकी चारदीवारी करवा दी लेकिन अब हमारी निजी जमीन के पास पत्थर वह ईंटो के

■ परिवार ने थाने की शरण ली तो जान से मारने की धमकियां दी गईं

टुकड़े डाल दिए और प्लॉट पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

आज सुबह दोनों भाई कमलेश राव वह उनका भाई मुकेश राव आया और फरियादी के साथ मारपीट करने लगे व जान से मारने की धमकी देकर चले गए। फरियादी के प्लॉट के सामने कमलेश राव ने जबरन गेट खोल खोल दिया। वहीं प्लॉट में लगे बरगद के पेड़ को भी उखाड़ दिया। बच्चों को जान से मारने की धमकी मिलने पर पीड़ित ने थानाधिकारी से परिवार की सुरक्षा एवं आरोपियों पर कार्रवाई करने की गुहार लगाई।

एक ए.एस.आई. व एक कांस्टेबल के भरोसे पावटा पुलिस चौकी

पावटा, (निस्)। पावटा कस्बे सहित दर्जनों ढाणियों और राजमार्ग का कुछ हिस्सा पावटा चौकी के अंतर्गत आता है। लेकिन पावटा चौकी पर नियुक्त एक एएसआई व एक कांस्टेबल होने के कारण कार्य व्यवस्थाएँ प्रभावित हो रही हैं। पावटा कस्बे में दर्जनों बैंक, व्यापारिक संस्थान एवं शिक्षण केंद्र होने के कारण कस्बा प्रमुख व्यापार का केंद्र है। राजमार्ग व कस्बे में अक्सर दुर्घटना व आपराधिक वारदातें हो जाती हैं। पावटा पुलिस चौकी पर एक एसआई, एक हेड कांस्टेबल, पांच कांस्टेबल सहित सात पुलिस कर्मियों की पोस्ट स्वीकृत है। जिनमें इस समय कुल दो पुलिसकर्मियों के भरोसे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था है। जिससे आमजन

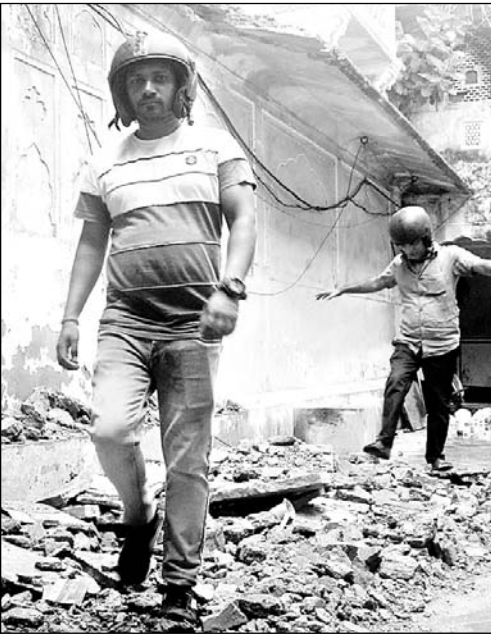
में असुरक्षा बढ़ रही है तो अपराधियों में पुलिस का खौफ घट रहा है। शहर में कानून व्यवस्था बनाने के लिए प्रागपुरा थाने के अलावा नवोदय स्कूल व पालिका के पास एक चौकी पर दो पुलिसकर्मियों के चलते पावटा चौकी पर अधिकतर ताले लटके मिलते हैं। चौकी में कोई पुलिसकर्मी नहीं दिखता। क्षेत्र में जब भी कोई वारदात होती है तो सबसे पहले लोग इसी चौकी पर आते हैं। ताला लगा रहने से प्रागपुरा थाने में जाकर रिपोर्ट देनी पड़ती है। जयपुर ग्रामोण पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार ने बताया कि स्टफ कमी की समस्या का शीघ्र समाधान कर चौकियों पर स्टफ नियुक्त किया जायेगा।



पावटा कस्बे में पुलिस चौकी पर लटका ताला।

मेघ अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करो। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चंद्रशुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागलौड़ रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।	सिंह परिवार में मन को प्रसन करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।	धनु आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्रोत सामने आयेंगे। दिन के मध्यान्ह अनावश्यक धन खर्च होगा।
वृष मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।	कन्या आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों के कारण मन छिन और तनाव हो सकता है।	मकर व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करो। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।
मिथुन परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।	तुला मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	कुंभ नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।
कर्क घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	वृश्चिक घर/परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।	मीन अपनी कार्य योजना को दिन के मध्यान्ह तक सीमित रखें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

प्रदेश में मानसून आने के बाद गुरुवार को जयपुर में हुई झमाझम बारिश



- **कायावर्त्य संवाददाता-जयपुर।** राजस्थान में मानसून की एंट्री के बाद गुरुवार को राजधानी जयपुर में दिनभर झमाझम बारिश हुई। बारिश का पानी सड़कों पर दरिया बनकर बहता दिखा। जयपुर-अजमेर पुलिया
- **हवामहल के नजदीक गोवर्धन नाथ मंदिर का छज्जा गिरा, बड़ा हादसा टला**
- **टूटी सड़कों में फिसलकर गिरे कई दुपहिया वाहन चालक, आमेर में भी ई-रिक्शा पलटा**

ने डेरा डाल रखा था। तेज गर्मी और उष्म के बाद रिफ्रिजिंग बारिश की बुंदों ने शहर को गिण्गोया में मीसम खुश नाना बना दिया। दिनभर थप-थककर कभी तो कभी मध्यम बारिश होती रही। इस कारण शहर के निचले इलाकों, कच्ची बस्तियों और सड़कों पर जगह-जगह पानी भी सड़ा। अजमेर-दिल्ली दुर्घटना वाहन चालक गिर गए, जिन्होंने आसपास के लोगों ने उठाया।

इसी प्रकार रामदाड मोड जलमहल में गिरने वाले नाला गुरुव को ओवरफ्लो हो गया। इससे सड़क पर करीब १० ट्रांली कारवा इकट्ठा हुआ। इससे एक ओर का रास्ता बंद हो गया। जगह कम होने और पानी बढ़ने से

बहावन ने तो होने की वजह से ई-रिशास पलट गया। गनीमत रही कि बड़ा हादसा नहीं हुआ। उधर मौसम बिजबाहने से शुरूवार को अजमेर, भीलवाड़ा और बूंदी में अति भारी बारिश का अंजित अलट किया गया है। इसके अलावा अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुन, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, बाड़मेर, बांधोपुर, सीकर, सवाईमान्डी, टोंक, बड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जालोर, जोधपुर, नागौर, पाली और श्रीगंगानगर जिले में भारी बारिश का यौने अलट जरा किया है।

पुर (कासं)। प्राइवेट हॉस्पिटल्स नर्सिंग होम्स सोसायटी की ओर से आयोजित किया जाने वाला गणेश इवेंट, डॉक्टर्स डे, सी. के. हॉस्पिटल्स के संयुक्त उत्सववाधान शनिवार 1 जुलाई को सी-स्की में जय कर्नाक के लॉन में सम्पन्न हुआ। इस दौरान कई डॉक्टर्स का प्रदर्शन किया जाएगा।

सोसायटी को प्रेसिडेंट डॉ. विजय ने बताया कि डॉक्टर्स-डे के इस वर्ष एडिशन में 1000 से अधिक डॉक्टर्स सपरिवार शिरकत करेंगे। डॉ. ने बताया कि समारोह के गेस्ट ऑफर जयपुर के पुलिस कमिश्नर डॉ. श्रीवास्तव, राजस्थान यूनिवर्सिटी के हेल्थ सांसेंस के वाइस चांसलर सुधीर भंडारी व सर्वाई मानसिंह कल कालिका के प्रिंसिपल डॉ. राजीव कड़ाहोला हैं। साथ ही डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. हार्दोलाली प्रसाद व सी. के. एस. मटल के डायरेक्टर डॉ. प्रकाश मानवी होंगे। डॉ. कपूर ने बताया कि इस समारोह से सैलिब्रेशन के अतिरिक्त शिशु के रूप में मनाया जाएगा जिसमें एमटीएम का शायद ग्रहण समारोह और एम्यूजिकल ईवनिंग का आयोजन है। इस दौरान प्रख्यात फ्यूजन बैंड स्नैक्स ऑफ राजस्थान के साथ फ्रेमस रॉक बैंड उध्मगया प्रस्तुति देंगे। साथ ही डॉक्टर्स का सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

प्यूर (कास)। राजधानी के माणक कोक इलाके में गुरुवार रात ओम जैन कांस्टेबलर के शोसूम में हथियारबंद दमदाशों ने फायरिंग कर लूट का प्रयास किया। इस दौरान दुकानदार और वहां से गुजर रहे चेतक पर तैनात कांस्टेबल ने क बंदमशी को दबोच लिया। पुलिस न आरोपी के एक साथी को भी चांदपोल पास से पकड़ लिया है।

सहायक पुलिस आयुक्त माणक कोक डॉ. हेमंत जाखड़ ने बताया कि गुरुवार रात करीब साढ़े ८ बजे ओम जैन कांस्टेबलर कास में एक बंदमशी के साथ हथियार लेकर घुसा और लूट की कोशिश किया। इस दौरान दुकानदार सभम जैन ने मस्त दिखाते हुए आरोपी से चेक गया। लूट करके वहां से गुजर रहे निचक भी वनात कांस्टेबल विजय सिंह भी घटना बन्नक लगते ही शोरूम में पहुंच गया। स दियार आरोपी ने दुकान पर नहर र दिया, हालांकि इससे हलाहल नहीं आया। बादत के बाद पुलिस ने आरोपी बंधोस (यूपी.) निवासी योगेश बघेल न पकड़ लिया और उसे फिस्टल व रतुरतुरस बरामद कर लिया। पछुताछ में नमने आया कि आरोपी निवासी बघेल प एक साथी राहुल गोशाली हाथसर पयूपी.) सिंधी कैप पर उसका इंजगर र रहा था। यह गैंग बादत के बाद उत्तरप्रदेश भागे की फिफाक में के के न तुरंत इलाक में नाकाबंदी करके लिये के आधर पर उसके साथी राहुल

पुर्व (कास) राजधानी के थपाम
इलाके में चोर जैन मंदिर से
धातु को चार प्रतिमाएं और चांदी
का सहित अन्य सामान चुरा ले
मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों
द्वारा सात बरमास चोरी करते हुए
पकड़े दे रहे हैं।
पुलिस ने बताया कि इस संसार
सुरक्षा-नाथ कलांजी निर्माण नगर
म नगर के ज्वाइन्ट सेक्रेटरी मुकेश
सिंह ने मामला दर्ज करवाया। जिसमें
चोरी की गई 29 कुंश को मंदिर के
क शम्भू दयाल रोजाना की तरह
ह 5.30 बजे मंदिर पहुंचे। मंदिर
मंदिर टूट हुए थे।
अंदर कांच वाला गेट जिसमें

पुलिस को प्रतिनिधि मिले।
 इसके भी ताले टूटे हुए मिले। चोर
 र से आदिपता भगवान, चन्द्रप्रभु
 भगवान, पार्वनाथ भगवान, और
 प्रभु भगवान की अष्टपत्ती को
 मारफें चुरा ले गए। इसके साथ ही
 चंदी के सिंहासन तन बड़े दो
 ल, पंचमूक पांच नगर,
 प्रातिहार्य 8 नग, चंदी के प्याले
 8, छत्र 12 नग ले गए।
 पुलिस ने बताया कि चोर मंदिर
 त 2.30 बजे घुसे। मंदिर में लगे
 टीवीवी कैमरे में 6 से 7 लड़के
 गार्ड दे रहे हैं। पुलिस ने सीसीटीवी
 र पुलिस को दी है। पुलिस अब
 सीटीवी कैमरों की फुट्रज
 करके आदिपियों की तलाश करने
 तुड़ी हुई है।

सभी कैप इलाके में डी सर्फिकल के पास बनी पानी की टंकी परतवार मित्र विद्यार्थी मित्र दूसरे दिन गुरुवार को भी चढ़े रहें। अंतरा और आर्यवर्मा डी.सी.पी. राममहेश और ए.सी.पी. संजय ओसैली मिलकर सभी कैप थानाधिकारी जयमल सिंह की समझाइश पर वे नीचे चले गए। श्रृंगार को इनकी वार्ता राज्य सरकार के कारवाइड्राफ्ट पर वे नीचे चले गए। श्रृंगार को इनकी वार्ता राज्य सरकार के कारवाइड्राफ्ट पर वे नीचे चले गए। श्रृंगार को इनकी वार्ता राज्य सरकार के कारवाइड्राफ्ट पर वे नीचे चले गए।

गुरु (कासी) लिव-इन-
नशिप में रहने वाली एक युवती
का मामला सामने आया है।
ज के पिता और भाई उसे असम,
भी और जयपुर में तलाश करते रहे
न बेटी के बारे में पता नहीं चल
। जब पता चला तब तक उसकी
कर कर दी गई थी। उसके पिता ने अब
र के चित्रकूट थाने में मुकदमा दर्ज
काया गया है। प्रेमी और उसके परिवार
गों के खिलाफ नामजद केस दर्ज
गए हैं। जयपुर में शुरू कर दी है।
पुलिस ने बताया कि सितार्ई कूच

बिहार निवासी कान्दुया बर्मन ने उनकी
बेटी प्रेमिला की हत्या का मामला दर्ज
करवाया है। बिहार पुलिस की ओर से
काठी गई जीरो नंबर एफआईआर मिलने
पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। 22 अप्रैल
की चित्रकूट थाना के हैरिंग का केस
आया था। प्रेमिला नाम की महिला का
शव कर्म में फंदे से लटकता मिला था।
पुलिस प्रथदृष्टया जांच में सुसाइड होना
सामने आया था। पुलिस ने मौका-
मायायना का शव का पोस्टमॉर्टम
करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया
था। हत्या की शिकायत पर मामला दर्ज

कर जांच शुरू कर दी गई है। मुत्तका
प्रेमिला के भाई विधन बर्मन का बहन
है कि आरोपी परमेश्वर बर्मन ने बहन
की हत्या की है। उसने ही बहन को अपने
साथ झुठे वादे कर रखा और असम से
भगा ले गया। बच्चों से भी नहीं मिलने
दिया। उसके बाद उस से की दिल्ली लो
की भी जयपुर में रखा और फिर जयपुर
में उसकी हत्या कर दी। हत्या का मामला
को सुसाइड का रूप देने की कोशिश
की, फिर लाश को वहीं छोड़कर फरार
हो गया। उसे मारकर फंदे से लटका
दिया गया था।

यमुपुर। राजधानी को मालपुरा थाना पुलिस ने नर्सिंग छात्रा को सोशल मीडिया पर अश्लील मैसेज भेजकर ब्लैकमेल करने के मामले में सहपाठी को गिरफ्तार करने का आरोपी पीछा पट पट दोस्ती फटने प टबाव बना रहा था। वह उसे सोशल मीडिया पर अश्लील और गंदे मैसेज भेजकर परेशान कर रहा था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मनोज

[illegible]

पड़ौसी ने युवती से बदसलूकी की

जयपुर (कांस)। खोहनागोरियाइन इलाके में पंडोसी युवक द्वारा एक युवती से बदसलुकी करने का मामला सामने आया है। गाली-गलौज कर हमला करने पर गेट बंद कर युवती ने अपनी जान बचाई। गेट पीछे हट कर धमकी दी दी कि बाहर निकले तो टांगें तोड़ दूंगा। खोहनागोरियाइन पुलिस में पीड़िता ने जयजयपुर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि जयजयपुर निवासी 25 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह राजस्थान यूनिवर्सिटी से गोल्ड मेडलिस्ट है। आरोप है कि 23 जून की रात शाम को वह अपने फ्लैट में डांस प्रेक्टिस कर रही थी। शाम कम होने पर 7 बजे फ्लैट फ्लोर पर रहने वाला मोहित भवराविया नाम का युवक हंगामा करने लगा। डांस प्रेक्टिस बंद करने को लेकर धमकाने लगा। सोसाइटी ऑफिस में जाकर परेशानी बताते की कहने पर पुरसे में हो गया। गाली-गलौज कर आरोपी हडौली में युवती से बदसलुकी करने। उस और उसके साथी को मारने के लिए पडसल कर दिया। भाई-बहन ने फ्लैट का गेट बंद कर अपनी जान बचाई। आरोप है कि उसके बाद भी आरोपी गेट को बार-बार पीटा रहा। गाली-गलौज कर धमकी देता रहा कि बाहर निकले तो टांगें तोड़ दूंगा। परिजनों के आने पर दोबारा धमकी देना शुरू कर दिया। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

जयपुर । जेडीए प्रवर्तन दस्ते ने गुरुवार को अलखुबहा जोन 5 में रानी सती नगर में 5 मंजिला इमारत को सोल कर दिया, वहीं जोन 9 में राधेश्वरधाम में अवैध अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलाया। जेडीए मुख्य निरीक्षक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-5 में रानी सती नगर पर अनुमोदित आवासीय योजना में 200 वर्षाज में बिना अनुमति बनाई जा रही हैसेम्टर सहित 5 मंजिला अवैध बिल्डिंग-फ्लैट्स को सौल किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवैध निर्माण को जानकारी मिलेन पर पिछले साल नवम्बर में नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने के लिए पाबंद किया गया, लेकिन जबब संतोष जनक नहीं रहा। अब सेम्टर सहित 5 मंजिला वृद्ध अवैध बिल्डिंग में 7 फ्लैट्स के प्रवेश द्वारों पर ईटों को दीवारें चुनवाकर पुख्ता सीलिंग को कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि जोन-09 में अनुमोदित आवासीय योजना राधेश्वरधाम फेज-प्रथम में 200 फिट सेक्टर रोड सीमा में अवैध बाउंड्रीवाला बनाकर किए गए अतिक्रमण का ध्वस्तीकरण कर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

जयपुर । अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के साथ सामाजिक में मूल्यवान स्थान बना चुके 70 हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। मौका 30 जनवरी 30 जुन को जयपुर मैरियट में आयोजित होने जा रहे हैं। इंटरनेशनल अचीवर्स अवार्ड का शो की भव्यता को बढ़ाते हुए शहर में ट्रॉफी लॉन्च कार्यक्रम का सोडाला स्थित पांडे हाउस में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में हुकुम सिंह कुपवाल सहित आयोजक रिकू सिंह गुर्जर और अंबालिका शास्त्री ने ट्रॉफी लॉन्च की। इस दौरान डॉ. इंटरनेशनल अचीवर्स अवार्ड की ब्रांड एम्बेस्सर एम्प्रेडोलोजर सुधीष गुप्ता, कलब के ओनर आशीष शर्मा, राज खान, डॉ. अरविन्द और पूजा अग्रवाल, विकास जैन, नरेश अठावाली भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान हुवा लाइव म्यूजिक गाना का शहर के कई जगहों पर मारने के दृष्टांत, डिजाइनर्स, मॉडलस और एंटरप्रेनोयर्स ने आनंद व्यक्त किया। इस दौरान रिकू सिंह गुर्जर ने बताया कि देशभर से चुने गए 40 से ज्यादा कैटेगरी में 70 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान सेलिब्रिटी गैंगेस्ट और बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कूंद्रा कार्यक्रम में चार चांद लगाने के साथ ही सभी अचीवर्स को ट्रॉफी देते हुए सम्मानित करेंगी। ये सभी 70 अचीवर्स का विभिन्न कैटेगरीज, जैसे फैशन, एजुकेशन, विजनेस, आर्ट एंड कलचर, मेडिकल, ज्वेलरी, ब्रॉडिंग, एंग एंड बी, डिफेंस जैसी कैटेगरीज में चयन किया गया है।

जयपुर । बाबा जयगुरुदेव संगत राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष वधे रामकरन शर्मा ने बताया कि विश्वविख्यात निजधामवासी सन्त बाबा जयगुरुदेव महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, आजकल इन्ते जय तप पूजा पाठ यज्ञ होने पर भी देवताओं के खुश न होने का वास्तविक कारण बताते बाबावाले, बाहरी उड पूजा से आत्मा को फायदा नहीं मिलता तो फिर जीवात्मा को मुक्ति मोक्ष कैसे मिलेगा। वो अनमोल नामदान का रस्ता बताते बाबा। बाबा उमाकांत का अद्भुत गुरु पूर्णिमा तीन दिवसीय सत्संग व नामदान कार्यक्रम 1, 2, 3 जुलाई को अजमेर रोड, टीकरिया स्थित बाबा उमाकांत महाराज आश्रम के पास में आयोजित होगा। इसमें महाराज द्वारा उच्च कोटि का आध्यात्मिक सत्संग तीन दिनों पर 5 व सवाय 4 बजे से होगा। इसके सल्लाव साधु समाज, प्रभकार, बुद्धिजीवी, सेनानी आदि कई वर्गों के सम्मान भोज व समारोह भी बाबा उमाकांत व उनकी संस्था बाबा जयगुरुदेव शब्द योग विद्या संस्था द्वारा आयोजित है। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारी संख्या में देश-विदेश से भक्तों का जमावड़ा लगना शुरू हो चुका है। अफ्रीका व दुबई से प्रेमी कार्यक्रम से पहले आकर सेना की ओर दर्शन का लाभ ले रहे हैं। और भी कई देशों से भक्तों के आने की सूचना है।

जयपुर । समाज में एक तरफ हर दिन नकारात्मक घटनाएँ घटती हैं। देह संशोधन, अत्याचार, लूटपाट, छेड़छाड़ का ही खबरें सुनाई देती हैं, वहीं कुछ संस्थान समाज के बीच रहकर अच्छे कार्य कर रहे हैं। ये संतान शोषित, वंचित, निर्धन लोगों की सृष्टि ले रहे हैं, ए.उन्ने सहयोग और संबल दे रहे हैं। ऐसी ही एक पहल विश्व हिंदू परिषद के बजरंग दल ने की है। सीकर रोड हरमाड़ा के विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मिलकर एक निर्धन लड़की का विवाह सम्पन्न कराया। विश्वकर्मा 17 नवरात्रि निवासी ओपमकाश गोस्वामी आजीविका के लिए दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। वह बेटी सुनीता के विवाह को लेकर चिंतित थे। उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि बेटी की दंड से शादी कर सके। इसकी जानकारी स्थानीय विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को हुई। रामचन्द्र मोदी, विनीत शर्मा, बलराम रायका ने स्थानीय कार्यकर्ताओं से सहयोग जुटाया और सुनीता का विवाह धूमधाम से कराया।

जयपुर। जयपुर संयुक्त नरसंज संघर्ष समिति ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज से संलग्न सवाई मानसिंह हॉस्पिटल, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल व ट्रोमा सेंटर में नरसंज को पीले चावल बांट कर 1 जुलाई को 2 घंटे की गेट मीटिंग में सम्मिलित होने का नौता दिया है। समिति के संयोजक सोमसिंह मीणा और मनीष दुबुब्बे ने बताया कि नरसंज संघर्ष की वेतन भर्त्ता विसंगति, कैडर शिथिल, स्वतंत्र नर्सिंग निदेशालय की स्थापना, उच्च शिक्षा भत्ता, ड्रेस कोड प्रतिकर्षित सहित लंबित 11 सूत्री मांगों को लेकर सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में 1 जुलाई को सुबह 8 बजे से 10 बजे तक 2 घंटे की गेट मीटिंग कर विरोध दर्ज कर आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। समिति जयपुर के संयोजक मनीष दुबुब्बे, सोमसिंह मीणा, महिपाल सामोता, अनेश सैनी, एसमेल कुमार, आशीष भारद्वाज व जितेंद्र कटारा ने पीले चावल बांटकर नरसंज को आमंत्रित किया।



जयपुर में गुरुवार को ईद-उल-अजहा यानि बकरीद के पर्व पर विशेष नमाज दिल्ली रोड स्थित ईदगाह में हुई। ईदगाह से लेकर खोले के हनुमानजी गेट तक दोनों ओर लाखों की संख्या में शहरभर से नमाजी यहां पहुंचे। राजस्थान चीफ काजी खालिद उस्मानी ने दुआ करवाई। नमाज अदा करने के बाद समाजनजनों ने आपस में गले लगाकर एक दूसरे को गले शिकवे भूलाकर पर्व की मुबारकबाद दी।

फोटो-राष्ट्रदूत

#RESTRO-REVIEW

Diona: Watering Hole To Cool



In the heart of Jaipur concrete jungle it can accommodate multiple private parties at a time with their 5 serving bars at different decks to facilitate the crowd and hosts a beautiful infinity pool.



If you love your mocktails a little more than everything else around you, you are in the right lane. Or how else can you survive this sweltering heat and simmering temperatures of the last few days?

A great wine stop over is Diona- a resto lounge and bar launched by Prime Hospitality.

It claims to be the biggest rooftop lounges of India, spanning over an area of 36,000 sqft, with expansive indoor and outdoor venues. Diona Jaipur raises the bar both literally and figuratively. It isn't a place, but a lifestyle. The entire architecture and interiors of the lifestyle destination are designed to make you relax.

In the heart of Jaipur concrete jungle it can accommodate multiple private parties at a time with their 5 serving



bars at different decks to facilitate the crowd and hosts a beautiful infinity pool on the 12th floor overlooking the city with a 180 degree wide view. The whitewashed walls, rustic open spaces, and the quintessential Santorini blue transport you to the Greek isle while you are at Ajmer Rd.

A curated menu of unique appetizers, local and international delicacies, and house-crafted cocktails put the rooftop bar on top of the things to do in Jaipur. The Brewery at Diona - Speaking of the five exquisite beers, Pomona - Mango Milkshake Pale Ale has the texture of a milkshake and the taste of mango with a hint of hops and malt, creating a delightful drinking experience for beer and non-beer drinkers alike.

Apollo Lager on the other hand is out and out a German beer with notes of citrus and herbs. Titan German Hofweizen has overwhelming notes of clove and banana and gives you a fruity flavour with an extremely satisfying



wheat finish.

While Chronos Belgian Wit Beer is a go-to with most wine drinkers, with literally no bitterness and is all about sweet and spicy notes. Chaos American IPA is Diona's take on the ever famous IPA and has soft bitterness, honey sweetness with aroma and flavours of tropical fruits. Choosing the best one leaves everyone in a spot.

The hordoeuvres menu other than the usual suspects like paneer Haru bhara tikka, dhakke kabab, corn palak tikki is also laced with sushi and Italian fare.

Diona until very recently was the weekend toast of Jaipur ruppies. All mocktails that are most in demand are served at another level at this watering hole. So the most ordered virgin mocktails are

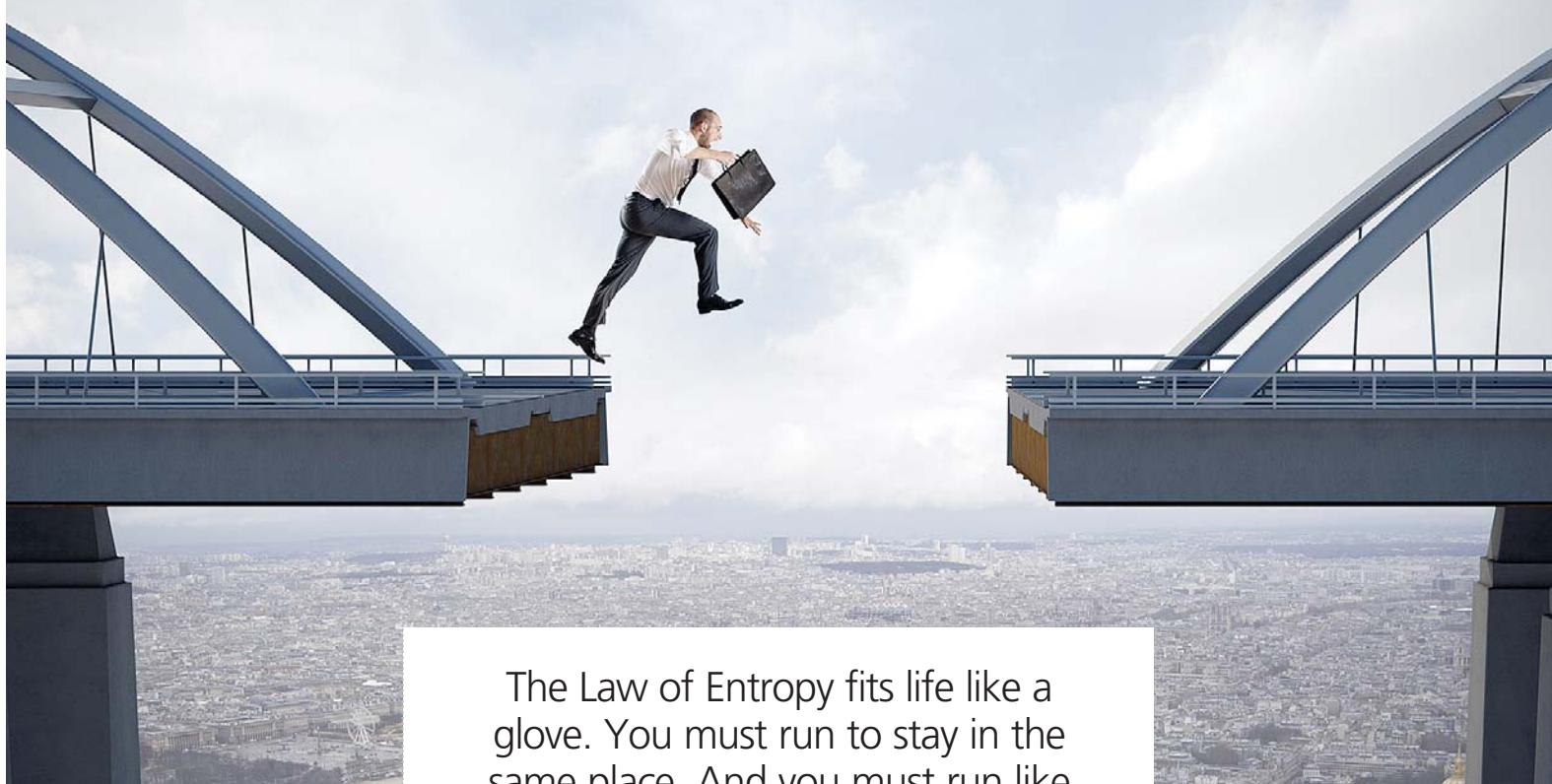
- Cindrella
- Spicy Guava Drink
- Pineapple Sweet Lime Drink
- Melon and Ice- Cream Fizzy Drink
- Fresh Complexion Express, Pineapple and Cucumber Juice
- Virgin Pina Colada

The pomegranate sangaria is also that stays with you long after you have stepped out of Diona. For foodies who cannot do without the daily dose of roti subzi there is a main course menu too- both vegetarian and non-vegetarian.

So Diona ideally this time of the year in the evenings has a great Diva pull with confetti in their hair and a drink in their hand and a cool dude besides them to have fun without sin.



Failure Is Gradual and Then Sudden!



The Law of Entropy fits life like a glove. You must run to stay in the same place. And you must run like your tail is on fire to progress. If you don't invest in your growth, you won't grow. But the market grows, customer needs grow, technology grows, demands grow, everything around you grows, and one day you discover that you don't fit any longer. Worse, your employer discovers that, and you become the proud owner of a Pink Slip. Remember that didn't happen then. Your Pink Slip was written the first time you passed up an opportunity to learn.



A quote from something a dear friend sent me. 'In Ernest Hemingway's famous novel, The Sun Also Rises, a character is asked how he went bankrupt. "In two ways," he answers.

"Gradually and then suddenly." A famous sentence, one that aptly describes how businesses go down. We get fixated on the sudden events that occur at the end of the trajectory-banks calling in their loans, creditors going to court, unpaid salaries, and the like. It all feels dramatic and sudden, and we look for answers in the here and now.

But those answers can only be found way back. Businesses are not the only things that go wrong following this gradually-then-suddenly trajectory. Many other human endeavours follow the same path. There is much anxiety and hand-wringing when we suffer an avoidable medical event, for example, but our lifestyle choices over many years prior often go unremarked.

When human constructs like bridges or dams fail, or cities are flooded, it is not just because of sudden and unusual rain events. There is a gradual negligence afoot-years and years of wear and tear, maintenance failures, or unattended corrosion.

Because we looked away from that work, we are forced to look on in horror when the final collapse happens." End of quote. That's the theory of Seneca's Cliff... takes a long time to get to the top of the cliff and then is the sudden drop to destruction. The problem is that after a certain point is crossed, reversal is almost impossible and going off the top is inevitable. That's where I fear we have reached, in several countries that I am familiar with and globally. In the countries that I am thinking of, it is the apparently sudden appearance of majoritarianism, fascist politics,

#MOTIVATION

considered 'safe', respectable, or otherwise. You will find the signs in daily conversation in how certain people are referred to. You will find the signs most powerfully in jokes and humour, which highlights prejudice long before it is seen in public. A progression of the masses from all kinds of economic skulduggery to enrich the elite ruling class. This includes the passing of draconian laws to track, monitor and control people in the name of keeping them 'safe'. Covid was a huge blessing for such leaders who used it instantly to pass laws with popular support which couldn't have seen the light of day in a normal period. The problem with all these is that once in place, they never go away, though the so-called threat itself may have gone. The media plays a huge role in enabling all this. Thanks to a gullible population addicted to screens, which can't differentiate between the truth and concoction, and willing to follow the Pied Piper, the rest is easy.

But when you stop for a bit and look back at history you will find plenty of signs about where society was headed. You will find the signs not in cataclysmic events in high places but in daily dinner table conversations at home, in unintentional maybe even unconscious messages to children, in choices about who to be friends with, who to invite home, who is

the signs in the increasingly insular, chauvinistic, uni-culture nature of social gatherings, where the one who doesn't fit in is unwelcome. You will find it in apologetic suffixes to statements like, 'I am not saying that 'they' are all like this,' or 'Some of my best friends are Xians' or 'Not all Xians are XYZs but all XYZs are Xians.' From here it gets to being normalized in public discourse by national leaders and we are well and truly on the slope. The question to ask is not, 'How was I so blind that I didn't see what was happening early enough to stop it,' but 'What is happening right now that I need to notice and stop so that we don't have a catastrophe to deal with a decade later?'

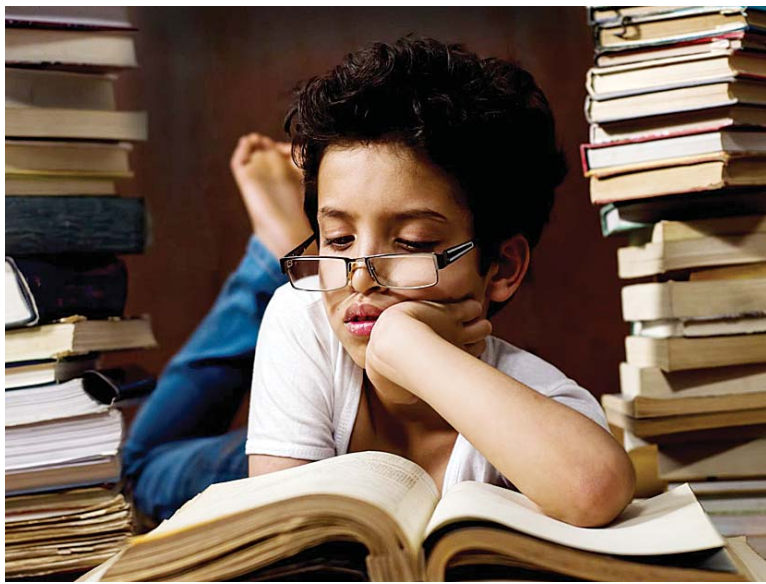
To understand why this happens let me tell you the Parable of the Boiled Frog to illustrate what I mean by the danger of gradual change. If you take a nice, healthy, frog and drop it into a pot of hot water, it will instantly leap out. But if you take the same frog and put it in a pot of water at room temperature and allow it to get comfortable in it, then you light a fire under the pot and 'gradually' heat it, the frog will get used to the gradual rise in temperature until the temperature gets dangerously hot. But by then the frog, being a cold-blooded being, is too flaccid, maybe even paralyzed, and can't move, even though it knows that



International Asteroid Day

Scientists estimate that approximately 65 million years ago, an enormous asteroid fell to the earth in the area that is presently Yucatan, Mexico. This is referred to as the Chicxulub impact and some scientists think this may be what contributed to the extinction of the dinosaurs. The goal of International Asteroid Day is to inform the public regarding various actions and efforts that should take place in case the need should arise. Explore the mysteries of space rocks hurtling through the galaxy, with the potential to unlock secrets of our universe!

“ Add value first. Entitlement will follow. Entitlement goes with territory. Contribution defines the territory. ”



“ THE SINGLE, MOST POWERFUL CHANGE TO TRANSFORM THE WORLD IS TO MOVE FROM - THE WORLD IS RESPONSIBLE FOR ME TO, I'M RESPONSIBLE FOR THE WORLD. ”

“ WE GET WHAT WE MEASURE. WE GET WHAT WE REWARD. ALLERGY TO CRITICISM IS ALLERGY TO SURVIVAL. ”

wouldn't even call 'events', but which pile up until the proverbial camel's back breaks. Likewise raising evil people. Remember that every evil person that walks the earth today was a baby, a toddler, and an adolescent, before he or she became an adult. It is salutary to think of all that happened during that time or to put it more accurately, all that could have been done to ensure that the adult would be an ethical, moral, responsible, compassionate, and kind person. That is not too much to ask, right? Sadly, that doesn't happen. The fault, always and invariably, is that of lazy or absent parenting.

Breakups

In my consulting practice, working with family businesses, I have seen several instances of acrimonious breakups of the family business with siblings at each other's throats in the law courts, benefiting nobody except the attorneys on both sides, who keep fires burning as long as they can. I say to them that this breakup is not happening today; it is what the parents allowed and encouraged in the nursery when the litigants were two and three years old. When one 2-year-old refuses to share a toy, how many parents say, 'Don't worry, I will get you your own.' That is the seed. The fruit takes forty years to come, but it surely does. Only the location changes from the nursery to the law court. But it is the same story, and a healthy, profitable business is dismembered like a carcass.

I have seen the same story with career progression. People talk about their dreams of career advancement. But when I ask them, 'What box are you reading now?' they tell me, 'I am so busy, there is no time to read.' I ask them, 'What course did you attend during your vacation?' they look at me as if I am crazy, as if to say, 'Vacation?' Course? Are you insane?' I say silently, 'Wait until the next downsizing of your company. Then you will know who was insane.' It is the daily small

Likeview for marriages where you seriously want to say to the individual, 'Please swear on whatever you consider holy and hope to die if you break that oath, that you will never, ever, even consider getting married. You were created to live alone and die alone. Fulfill the purpose of your creation and don't ruin someone else's life.'

Harry of Motorola, the co-developer of Six Sigma Methodology to measure quality. 'If you want to see what people value, see what they measure.' I want to use Six Sigma especially because it takes measurement to a different level. To illustrate, if you have a process that is 99% right, most people will be satisfied with it. But 99% is 10,000 mistakes per million. Six Sigma is 3.4 mistakes per million. When you are flying at 30,000 feet, you don't want to know that the engines of your plane were built in a factory that worked on 99% right standard. The benefit of frequent measurement and measuring small changes is that corrections are easier and less painful to make. Taking this into the realm of so-called real life, consider marriages and raising children as a classic example of the opposite of the philosophy of Six Sigma and behold its catastrophic results all around us in society. I have seen so many people behaving in toxic ways about whom I think, 'How I wish their parents had invested in a jumbo-size box of condoms.' In case you are laughing, that was not a joke. Likewise for marriages where you seriously want to say to the individual, 'Please swear on whatever you consider holy and hope to die if you break that oath, that you will never, ever, even consider getting married. You were created to live alone and die alone. Fulfill the purpose of your creation and don't ruin someone else's life.' I know that is not very polite and so I haven't said this to anyone, YET. But there are plenty of people who I would love to say it to. Having said that I remind myself not to be someone who others may want to say this to. Most marriages don't break up because of one event, but because of many small things which you



try to learn constantly. The result in only one aspect of my life, business consulting, is that on the rare occasion when someone says to me, 'But so-and-so charges less than you do,' I reply, 'Here is what I learnt in the last five years (list of books, courses, and output). Please ask for this from the other consultant and decide who is good for you.' I have never had a client who said, 'The consultant's investment in themselves is not important for us.' Investing in yourself gives the client confidence in your ability to help them. That is a daily, small event, affair. It is not a PhD, but a book, a course, a serious conversation with notes. It is time spent daily in reflection, introspection, and conceptualization of learning, once again all documented. Believe me, if you didn't document it, you lost it. There are no exceptions to this rule. You learn only what you document. It all adds up. Every smile. Every letter you wrote or call you made asking how someone was, when you didn't need to. Every kindness which you may have considered small, but which made a world of difference to its recipient. Every minute you spent reading, reflecting, recording. In short, everything that you were not pressured to do but you did



become the proud owner of a Pink Slip. Remember that didn't happen then. Your Pink Slip was written the first time you passed up an opportunity to learn. It was just sent to you on the day you received it. What is sad is not the Pink Slip but that it was you who wrote it for yourself.

I have held myself to the rule of constant measurement and continuous learning to my great benefit. I document all my output. I have mentors who I regularly consult and listen to very carefully. I invest in books and courses and

because you considered it to be important for your development, adds up. The day when the scale tips in your favor may surprise you and others, but there is nothing surprising at all in it. Every grain goes towards reaching the critical weight that is needed to tip the scale. All power to you if you added the grains. And time to wake up and start adding the grains if you have been sleeping.

Success is not magic, nor miracle. Success is systematic daily effort. ||||| rajeshsharma1049@gmail.com

#DISCOVERY

Universe Has a Background 'Hum'



An evidence of large-scale motion of everything in the universe

An international group of scientists has made a groundbreaking discovery that confirms the existence of gravitational waves first envisioned by Albert Einstein.

The report says that astrophysicists were able to "hear" low-frequency gravitational waves - changes in the fabric of the universe that are created by huge objects moving around and colliding in space.

"It's really the first time that we have evidence of just this large-scale motion of everything in the universe," said Maura McLaughlin, co-director of NANOGrav, the research collaboration that published the results in The Astrophysical Journal Letters. These gravitational waves, detected at low frequencies, create a cosmic background hum that permeates the universe. The research indicates that space is filled with these waves, which oscillate over extended periods, primarily originating from pairs of supermassive black holes spiralling and merging together.

Confirming Einstein's Theory

Einstein initially proposed the existence of gravitational waves, or ripples in space-time, in 1916 as an extension of his revolutionary theory of general relativity. The famous theory described gravity as the distortion of space and time caused by matter. However, it wasn't until 2016 that scientists successfully detected these waves directly, having relied on indirect evidence since the 1970s. The recent research heavily relied on pulsars, which are the highly dense remnants of exploded stars spinning at extraordinary speeds.

Gravitational waves are generated by astronomically dense objects in our universe, typically in orbital motion around each other. As these waves travel through space, they physically stretch and compress the fabric of space-time itself. Jeff Hazboun, an astrophysicist from Oregon State University and lead author of one of the papers published in the Astrophysical Journal Letters told the Reuters news agency.

The data for the latest report was collected by North American Nanohertz Observatory for Gravitational Waves (NANOGrav) Physics Frontiers Center, comprising over 190 scientists from the United States and Canada, in the period of 15 years.

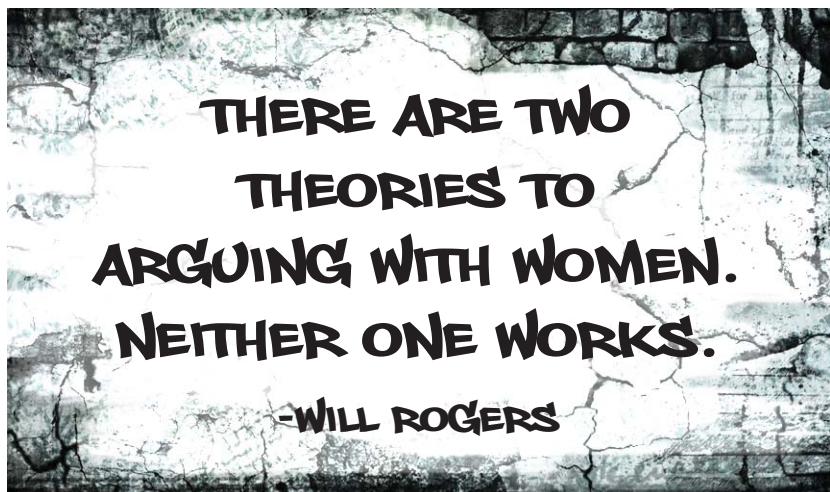
Gravitational Waves Sound Like Hum Scientists liken the universe's gravitational wave background to the hum of a large gathering, where individual voices cannot be distinguished. This discovery comes seven years after the initial detection of gravitational waves generated by two distant black holes, dense objects with gravity so intense that even light cannot escape them.

The motion of black holes and other massive objects can produce these gravitational waves.



By Jerry Scott & Jim Borgman

THE WALL



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



प्रसूता की मौत, परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया

प्रसूता की तबियत बिगड़ने पर आरबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

भरतपुर, (निसं)। राजकीय जनाना अस्पताल में एक प्रसूता की प्रसव के कुछ समय बाद तबियत बिगड़ने पर आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराने पर इलाज के दौरान मौत हो गई। जिस पर लखनपुर थाना पुलिस ने मृतका के शव का जिला आरबीएम अस्पताल मोर्चरी में मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका के परिजनों ने अस्पताल के स्टाफ पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मई लखनपुर निवासी दुर्गेश ने अपनी गर्भवती पत्नी गार्गी को प्रसव के राजकीय जनाना अस्पताल में भर्ती करवाया था। जहां महिला को बेठा हुआ लेकिन कुछ देर बाद गार्गी की तबियत बिगड़ गई। जिस पर दुर्गेश ने अस्पताल के स्टाफ को गार्गी को



मृतका के शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया।

देखने को कहा। जहां चिकित्सकों ने गार्गी की हालत गंभीर देख उसे इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में रेफर कर दिया। जिस पर गार्गी के परिजन उसे इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे।

लेकिन गार्गी को बचाया नहीं जा सका। गार्गी की उपचार के दौरान मौत हो गई।

जिस पर मृतका के शव को जिला आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया एवं घटना की जानकारी

लखनपुर थाना पुलिस को दी गई। लखनपुर थाना पुलिस के हेंड कानिस्टेबल खेमचंद शर्मा जिला आरबीएम अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतका के परिजनों से मामले की जानकारी ली और मेडिकल बोर्ड से



■ **राजकीय जनाना अस्पताल में प्रसूता की प्रसव के कुछ समय बाद तबियत बिगड़ गई थी**

मृतका गार्गी के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। वहीं मृतका के पति दुर्गेश ने अस्पताल के स्टाफ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। पीड़ित पति ने बताया कि स्टाफ ने इलाज देने में लापरवाही बरती। महिला को वार्ड में शिफ्ट करने के लिए स्ट्रेचर तक उपलब्ध नहीं हुई। जिला आरबीएम अस्पताल में तो करीब आधा घंटे बाद महिला को आईसीयू में शिफ्ट किया जा सका।

महिला को पति ने नोटिस के जरिए तलाक दिया

पत्नी को नोटिस देकर कहा कि तलाक..तलाक.. तलाक



■ **पत्नी पहुंची पुलिस के पास, केस दर्ज करवाया**

खान से हुआ था। निकाह के समय उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा दहेज देकर विदा किया था। 2 महीने तक उसके पति और ससुराल वालों ने ठीक रखा। लेकिन दो महीने बाद ही पति, देवर, सास और ससुर दहेज में दिए समान को लेकर ताने मारने लगे। इस महिला का आरोप है कि गर्भवती हालत में भी उसके साथ मारपीट की गई और यातनाएं दी गईं।

थाने में दी रिपोर्ट में महिला ने बताया कि उसका निकाह 18 जनवरी 2020 को मसूरिया निवासी मोइन

3 सितंबर 2021 को उसे मारपीट कर ससुराल से निकाल दिया गया। इसके बाद से वह अपने पीहर में रह रही है। खुद के साथ हुई मारपीट को लेकर महिला ने 7 नवंबर 2021 को महिला थाना पश्चिम में मामला भी दर्ज करवाया था।

एफआईआर में महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति ने वकील के जरिए 7 जून 2023 को एक नोटिस भिजवाया जिसमें तीन बार तलाक लिखा गया है। ट्रिपल तलाक को गैरकानूनी घोषित करने के बावजूद उसके पति ने उसे तीन तलाक देने का आपराधिक कृत्य किया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में कार सवार छह जने घायल

बिजयनगर, (कासं)। राष्ट्रीय राजमार्ग सिंगावल चौराहे के समीप ही हियालिया पुलिस के समीप गुरुवार दोपहर एक एसयूवी कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। भीषण दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। कार दुर्घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रवाना किया गया।

कार की भीषण दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस थाना एसएसआई शिव चरण सिंह, विजय सिंह चालक राधेलाल दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और दुर्घटना ग्रस्त वाहन को सड़क से हटकर यातायात सुचारु करवाते हुए आसपास क्षेत्र के ग्रामीणों की सहायता से कार में फंसे सवारों को मशक्कत करते हुए बाहर निकालकर पिकअप एवं राष्ट्रीय राजमार्ग एंबुलेंस की सहायता से राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार सवार मध्य प्रदेश निवासी नीलेश

■ **गंभीर घायलों को अजमेर रेफर किया**
■ **खादू श्यामजी के दर्शन कर मध्य प्रदेश लौट रहे थे**

पुत्र कानाराम संदीप पुत्र रामलाल अरविंद पुत्र रमेश उग्र सुनील पुत्र महादेव राहुल पुत्र भारत सिंह विकास पुत्र मांगीलाल सहित सात कार सवार घायल हो गए। कार सवार मध्य प्रदेश से श्री खादू श्यामजी के दर्शन कर वापस मनावर मध्य प्रदेश अपने शहर लौट रहे थे। इसी बीच ही हियालिया पुलिस के समीप विद्युत पोल से टकरा जाने से भीषण दुर्घटना हो गई। कार की नम्बर प्लेट पर धार मध्य प्रदेश सांसद अंकित किया हुआ है। पुलिस ने राजकीय चिकित्सालय पहुंचकर घायलों से जानकारी लेते हुए दुर्घटना में घायल परिजनों को सूचना दी।

लाखों की चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

चोरी किये गये 10 लाख रुपये की कीमत के

हैण्डीक्राफ्ट मशीन के पार्ट्स व चोरी का सामान जब्त



राजगढ़ थाना पुलिस ने ट्रक व चोरी के सामान सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने कार्यवाही को अंजाम देकर लाखों रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए तीन आरोपी गिरफ्तार कर चोरी किये गये 10 लाख रुपये की कीमत के हैण्डीक्राफ्ट मशीन के पार्ट्स व चोरी का सामान परिवहन करते वाला ट्रक भी जब्त किया है। प्रकरण में 24 जून 2023 को ईदासर गांव में हुई लाखों रुपये की डकैती में अपने जान पर खेलकर फायरिंग करते हुए डकैत को दबोचने वाले राजगढ़ थाने के कांस्टेबल मुकेश कुमार व कांस्टेबल नवीन कुमार ने आज फिर दस लाख रुपये की कीमत के हैण्डीक्राफ्ट मशीन के पार्ट्स सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने की

कार्रवाईमें विशेष भूमिका निभाई है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हिसार चूरू बाईपास पर एक ट्रक नम्बर एचआर 39 ई 8420 को जब्त कर आरोपी विरेन्द्र पुत्र भगताराम ओढ़ (27) निवासी खेरड़ी पुलिस थाना कलानीर जिला रोहतक, मुकेश पुत्र गिरधारीलाल ओढ़ (28) निवासी मंगाली पुलिस थाना सदर हिसार व घनश्याम पुत्र हरिओम ब्राह्मण (24) निवासी सूर्य नगर पुलिस थाना सदर हिसार हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। वहीं आरोपियों के कब्जा से ट्रक में चोरी किया गया हैण्डीक्राफ्ट मशीन के पार्ट्स जिनकी बाजार कीमत 10 लाख रुपये है, बरामद किया जाकर राजगढ़

थाने में मामला दर्ज किया गया है।

वहीं गिरफ्तार आरोपियों से पुछताछ में बीकानेर से भटिण्डा हाईवे पर विद्युत की बड़ी लाईन के तार चोरी कर ट्रक भरना, कस्बा सरदारशहर में गोदाम से तीन टन ताम्बा व सिल्वर के तार चोरी करना, बीकानेर में गंगानगर रोड पर तीन टन वजन के लोहे के पाईप फैक्ट्री से चोरी करना व बीकानेर में रिको क्षेत्र से पुनः चार टन वजन के लोहे के पाईप चोरी करना स्वीकार किया है। बताया गया है कि आरोपीगण गैंग बनाकर इधर उधर घूम कर बन्द फैक्ट्री या गोदाम की रैकी करते हैं, उसके बाद में रात्रि में ट्रक लाकर सामान चोरी कर हरियाणा में ले जाकर बेच देते हैं।

पानी की डिगगी में घुला कीटनाशक

अनूपगढ़, (निसं)। रावला मंडी में आज एक किसान गांव 12 के एन डी में फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव करने वाली स्त्रे टंकी में भानी भरने के लिए उसका पाइप डिगगी में डाल दिया। पानी भरते समय स्त्रे की टंकी का सफेद रंग का कीटनाशक पेयजल में घुलने लग गया और डिगगी में स्टोरेज क्या हुआ पेयजल दूषित हो गया। मौके पर मौजूद जलदाय विभाग के कर्मचारी ने जब किसान को रोका तो किसान जबरदस्ती पानी भरने लगा। जलदाय विभाग के कर्मचारी ने इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को की है। वाटर वर्क्स के कर्मचारी अरुण ने बताया कि आज 12 केएनडी ढाणी का निवासी अमरजीतसिंह पुत्र पृथ्वी सिंह राव अपने भाई के साथ ट्रैक्टर पर स्त्रे करने वाली टंकी रख कर लाया था और पेयजल स्टोरेज की डिगगी से पानी भरने लगा। जब उसे मना किया तो उसने जबरदस्ती डिगगी से पानी भरना शुरू कर दिया।

रोडवेज बस अनियंत्रित होकर खाई में उतरी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के ककरोलिया घाटी मार्ग का स्वीकृति के बावजूद कार्य शुरू नहीं होने से मार्ग पर निकलने वाले राहगीर रोज दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। गुरुवार सुबह ककरोलिया घाटी से भीलवाड़ा के लिए जा रही रोडवेज की आगे की कबानी टूट गई और वह अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। चालक को सूझबूझ से गनीमत रही कि बस में सवार सवारियों को कोई चोट नहीं आई। बस के खाई में गिरने को सूचना पर उप प्रधान कैलाश सुथार, समाजसेवी राजेश सुवालका सहित बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र होकर सार्वजनिक निर्माण विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई।

उप प्रधान कैलाश सुथार ने बताया कि कोटडी ककरोलिया घाटी मार्ग पिछले कई सालों से पूरी तरह से खराब हो गया है। खनन क्षेत्र होने से यहां प्रतिदिन सैकड़ों ट्रक, डम्पर खनिज

भरकर निकलते हैं। काछोला, थलकला, नाहरगढ़, ककरोलिया घाटी, कांटी, गेहूली, सगतपुरिया, मंशा सहित 1 दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों का इस सड़क से तहसील एव जिला मुख्यालय से जुड़ाव है।

खनन क्षेत्र से हर साल करोड़ों रुपये का डीएमएफटी फंड जाता है। उसके बावजूद सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण सड़क का कार्य शुरू नहीं हुआ है जबकि सड़क का टेंडर भी हो चुका है। मिलीभगत से ठेकेदार कार्य नहीं कर रहा है। वहीं इस मार्ग पर संचालित एक मात्र रोडवेज बस के दुर्घटनाठास्त होने एव मार्ग पर बस बन्द होने की आशंका के चलते लोगों ने चेतावनी दी है कि जल्दी कार्य शुरू नहीं हुआ तो सार्वजनिक निर्माण विभाग एव जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जायेगा।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज

बॉली, (निसं)। सवाई माधोपुर जिले के एक थाने में चार लोगों के खिलाफ नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया है।

सर्किल ऑफीसर मीना मीणा ने बताया कि नाबालिग पीड़िता को लेकर थाने में पहुंचे पीड़ित पिता ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि 27 जून मंगलवार

की रात को मेरी पुत्री शौच करने गई थी। वहां से आरोपी मुंशी रावत व बाबूलाल मीणा बाइक से मेरी नाबालिक का जबरन अपहरण कर एक किराए के कमरे में ले गए। वहां पर पहले से मौजूद नितेश व राजू लाल मीणा सहित चारों लोगों ने बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया एवं प्रातः ट्रैक्टर में बैठा कर गांव के एक

मकान में बंदी बना लिया। जिसकी रखवाली रामकरण व उसके भाई रामधन मीणा ने की। पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़िता का मेडिकल कराया एवं 161 में बयान दर्ज कर 164 में बयान दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया है।

धरना स्थल पर वन विभाग टीम पहुंची, भड़के साधु

पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत करवाया



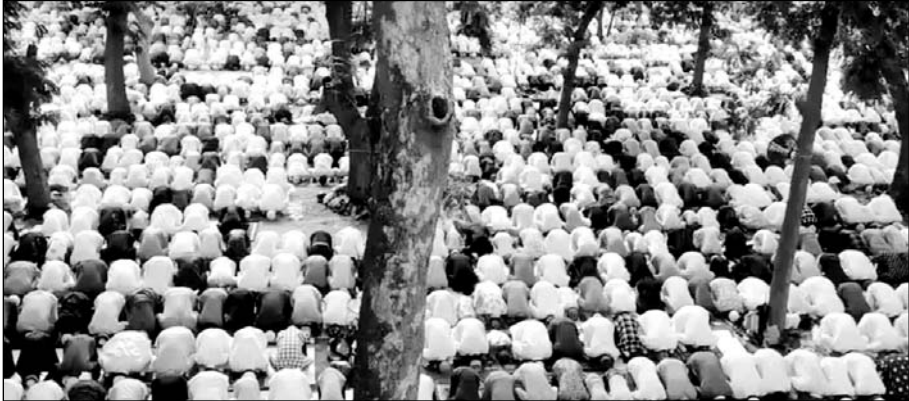
■ **साधू-संतों की जमीन का विवाद का मामला**

रहे हैं। शहर की शांति व्यवस्था भंग नहीं हो इसके लिए अन्य राज्यों और जिलों से अखाड़ों के साधू संतों को भी यहां आने के लिए उन्होंने मना किया हुआ है। इसके बावजूद वन विभाग के कर्मचारी यहां आकर परेशान कर रहे हैं।

संतों का कहना है कि वन विभाग की टीम के पास कार्रवाई को लेकर कोई अनुमति भी नहीं थी। बिना अनुमति के टीम पहुंची तो यही संदेह होता है कि उनकी भू माफिया के साथ मिलीभगत है। धरने पर बैठे अन्य संतों का कहना था कि वह कानून के दायरे में रहकर ही काम कर रहे हैं। वन विभाग के लोग शांति भंग करना चाहते हैं। मामला बढ़ता देख राजीव गांधी थाना अधिकारी अनिल यादव की मौके पर पहुंचे और आक्रोशित संतों से समझाइश की।

ईदगाह में नमाज के दौरान जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित, एसपी चूनाराम जाट, आरटीडीसी चेयरमैन धनंजय राठौड़ सहित

अन्य प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस के अधिकारियों सहित कांग्रेसी मौजूद रहे। **जन्नती दरवाजा खोला :-** ईद



अजमेर में दरगाह में ईद की नमाज अदा करते मुस्लिम समाज के लोग।

संदल खाना मस्जिद सहित नौसर, रातीडांग ईदगाह व शहर की मस्जिदों में नमाज अदा की गई। केसरगंज स्थित

ईदगाह में नमाज के दौरान जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित, एसपी चूनाराम जाट, आरटीडीसी चेयरमैन धनंजय राठौड़ सहित

अन्य प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस के अधिकारियों सहित कांग्रेसी मौजूद रहे। **जन्नती दरवाजा खोला :-** ईद

सांभर में खंडहर हवेलियों को गिराने के लिए लिया गया प्रस्ताव फाइलों में बंद पड़ा है

हवेलियों को गिराने के लिए पालिका द्वारा दो साल पहले बोर्ड मीटिंग में लिया गया था प्रस्ताव



■ **हवेलियों के मालिकों को नोटिस देने के बाद भी नहीं संभाला**

सांभर में करीब 20 से अधिक हवेलियां ऐसी चर्चनित बताई जा रही हैं जो आज के हालात में गिरने जैसे कगार पर हैं। पालिका प्रशासन की ओर से इस मामले में दवाव बनने के बाद हवेलियों के मालिकों को नोटिस देकर उन्हें अपने स्तर पर इसे गिरवाने के लिए लिखा गया। साथ ही नगर पालिका अधिनियम के तहत उन्हें चेतावनी भी दी गई और जिन मालिकों को नोटिस प्राप्त नहीं हो सके या जिन का एड्रेस नहीं मिल रहा था ऐसे में जर्जर हवेलियों के ऊपर ही नोटिस चस्पा पर पालिका प्रशासन ने एक प्रकार से इतिश्री कर ली। बताया जा रहा है कि पालिका प्रशासन इस संबंध में किसी कानूनी



■ **हवेलियों के मालिकों को नोटिस देने के बाद भी नहीं संभाला**

लफड़े में नहीं पड़ना चाहता इसलिए लोगों की जान माल की सुरक्षा का ख्याल किए बिना वह इस मुद्दे को गौण करने में लगा हुआ है। यद्यपि पालिका प्रशासन ने सफाई कर्मचारियों और सफाई निरीक्षक के माध्यम से यह भी पता लगा लिया कि कौन कौन सी बिल्डिंग गिरनी जैसी कगार पर पहुंच चुकी है रिपोर्ट मिलने के बाद भी कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई और करीब दो साल पहले उक्त पार्श्व की ओर से उठाया गया मुद्दा करीब-करीब आज भी पूर्व स्थिति में ही है।

मामले में अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव से जानकारी प्राप्त करने के लिए दो दफा उनके मोबाइल पर फोन किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। चेयरमैन नवल किशोर सोनो का कहना है कि मैंने पिछले हफ्ते ही अधिशाषी अधिकारी को कहा है कि वे तत्काल इस मामले को गंभीरता से लेकर इस पर कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि लोगों की जान माल की सुरक्षा हो सके।



सांभर के पुराने सिनेमा हॉल के पास पुरानी हवेली गिरने की कगार पर है।

संक्षिप्त

पूर्व कैबिनेट मंत्री का स्वागत

बहरोड़/नीमराना, (निर्स)। बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के गांव गिगलाना में आयोजित बाबा शिवजी महाराज के भंडारे में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ.जसवंत यादव का ग्रामवासियों ने स्वागत सत्कार किया। वहीं डॉ. जसवंत यादव ने भगवान शिव से क्षेत्रवासियों की सुख- समृद्धि व मोहित यादव और भाजपा की सफलता के लिए प्रार्थना करते भंडारा आयोजकों के प्रति आभार प्रकट करते कहा कि भंडारा जैसी परंपराएं हमें आपस में जोड़े रखती हैं। इस मौके पर डॉ.जसवंत यादव के साथ योगेश सरपंच, अश्वनी टाइगर मौजूद सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

25 यूनिट रक्त एकत्रित

कोटपूतली, (निर्स)। महात्मा फूले ब्रिगेड के तत्वावधान में गुरुवार को कस्बे के राजकीय बोडीएम जिला अस्पताल में चौथे विशाल खैरिच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस मौके पर सैनी सभा अध्यक्ष राकेश सैनी, सचिव एड. योगेश सैनी, जितेंद्र सैनी, ओमप्रकाश सैनी, जिला अध्यक्ष बिल्लूराम सैनी, महावीर सांखला, एड. विजय सैनी, रामकुमार सैनी, विनोद सैनी, पवन सैनी, प्रदीप सैनी, वीरेंद्र सैनी, रमेश मीणा, दिनेश सैनी, मनोज सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

ईद की नमाज अदा की फुलेरा, (निर्स)। कस्बे में गुरुवार को मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद उल अजहा (बकरा ईद) मनाया। समाजसेवी अब्दुल लतीफ कुरेशी ने बताया कि इस अवसर पर इमाम ताज मोहम्मद के जरिए प्रातः 8:30 बजे जामा मस्जिद में अदा कराई गई। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों द्वारा एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गई।

गले मिलकर ईद की मुबारक बाद दी

दूदू, (निर्स)। कस्बे एवं आसपास के गांवों में मुस्लिम समुदाय द्वारा ईद-उल-अजहा का त्यौहार मस्जिदों में नमाज अदा कर मनाया। इस दिन एक दूसरे के गले मिलकर ईद मुबारक बाद दी गई। नमाज के दौरान प्रदेश एवं देशवासियों के लिए अमन चैन व खुशहाली की दुआ मांगी गई।

मालपुरा में शुरू हुई चुनावी सरगमियां

मालपुरा, (निर्स)। विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर मालपुरा में चुनावी सरगमियां धीरे- धीरे परवान चढ़ने लगी है। भाजपा व कांग्रेस प्रमुख राजनैतिक दलों सहित आप पार्टी व आरएलपी सहित बीएसपी टिकट से चुनाव लड़ने तथा विधायक बनने का ख्वाब देख रहे नेताओं की मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में बढ़ रही सरगमियों के बीच पीसीसी सदस्य व माजपुरा तहसील क्षेत्र के कुहाड़ा निवासी प्रमुख समाजसेवी भामाशाह घासीलाल चौधरी क्षेत्र में सघन जनसम्पर्क अभियान चला नुकड़ सभाओं के माध्यम से मतदाताओं से रुबरू हो मालपुरा के चहुमुंखी विकास के लिए इस बार मौका देने की अपील कर रहे हैं।

गुरुवार को सोडा देवबनी में

सामूहिक नमाज अदा कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी

मालपुरा, (निर्स)। कुर्बानी व त्याग के प्रतीक ईद ऊल अजहा का त्यौहार उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। केकडी रोड ईदगाह में जामा मस्जिद के ईमाम मुफितकारी सोहेब अहमद काशमी ने नमाजियों को ईद की सामुहिक नमाज अदा कराई।

मुस्लिम धर्मावलम्बी नमाजियों ने खुदा की ईबादत में शीश झुकाते हुए

- देवशयनी एकादशी पर हुई भगवान विष्णु की पूजा**

नमाज अदा कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी। एक-दूजे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के बाद घर लौटे मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मुस्लिम धर्म की परम्पराओं का निर्वहन करते हुए अल्लाह की सबसे प्यारी चीज बकरे की कुर्बानी की रस्म अदा की। साथ ही धार्मिक मान्यताओं का निर्वहन

एकादशी पर बाबा श्याम की झांकी सजाई

निवाई, (निर्स)। देवशयनी एकादशी पर शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं का पूजा अर्चना व दर्शनों के लिए तांता लगा रहा। इसी के साथ आगामी 4 माह तक शुभ कार्यों पर विराम लग गया है , श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने बताया कि देवशयनी एकादशी पर गुरुवार की सुबह मंदिर पुजारियों के सानिध्य में नरोत्तम अग्रवाल ने श्याम बाबा का अभिषेक कर केसर-चंदन का लेप किया और कलकत्ता के फूलों से आकर्षक झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम की मंदिर में 108 परिक्रमा लगाई। इधर सूर्यास्त के बाद महिलाओं ने घरों के दरवाजे पर घी के दीपक जलाए।

कुर्बानी का पर्व मनाया

राजगढ़, (निर्स)। कुर्बानी का पर्व ईद उल अजहा गुरुवार को कस्बे में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । मुस्लिम समाज के लोगों ने मौलाना अजानान रजा के सानिध्य में मस्जिद में सामूहिक रूप से बकरीद ईद उल अजहा की नमाज अदा की। इस अवसर पर एक दूसरे के गले लग कर ईद की मुबारकबाद



मालपुरा में ईद ऊल अजहा की सामुहिक नमाज अदा की।

करते हुए कुर्बानी को तीन भागों में बांट पहला हिस्सा परिवार के लिए तो दूसरा हिस्सा करीबियों के लिए तो तीसरा हिस्सा गरीब व जरूरतमंदों को बांटा गया। दिनभर चले ईद की मुबारक के दौर में युवाओं में उत्साह देखा गया। शांति व कानून व्यवस्था की दृष्टि से शहर में आरएसी बटालियन व चार थानों का

पुलिस जाप्ता तैनात किया गया। एसडीएम महिपाल सिंह,एसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान व थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह राठोड शहर मे गश्त कर कानून व्यवस्था की निगरानी की गई।

वहीं आषाढ शुक्ल पक्ष की एकादशी देवशयनी एकादशी पर हिन्दु

समाज के लोगों ने भगवान हरि विष्णु की विशेष पूजा अर्चना की गई। देवशयनी एकादशी की पूजा के साथ ही चार माह के लिए शुभ व मांगलिक कार्य पर विराम लगा। छत्रेश्वर महादेव समिति की ओर से ब्रह्म सरोवर में 111 छोटी कन्याओं के हाथों गुड्डा बोलवणी का पर्व मना प्रसादी का वितरण किया गया।

ग्राम देवरी में हुई फायरिंग की वारदात का खुलासा

टोंक/उनियारा, (निर्स)। पुलिस अधीक्षक राजर्षी राज ने बताया कि थाना उनियारा के ग्राम देवरी में हुई फायरिंग की वारदात का खुलासा करते हुये घटना के मुख्य आरोपी नाना उर्फ लुक्का गिरफ्तार उसके साथी को जयपुर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

उनियारा थाना प्रभारी ने बताया कि 19 जून को थाना उनियारा पर जरिये टेलिफोन सूचना मिली की ग्राम देवरी में अज्ञात युवक धर्मराज गुर्जर निवासी देवरी के साथ मारपीट व फायरिंग कर फरार हो गये है, उक्त सूचना पर थानाधिकारी मय जात्ता घटना स्थल पर पहुंचा और अज्ञात मुल्जियानों के लिए लिलें में नाकाबन्दी करवायी गयी परन्तु कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई।

धर्मराज गुर्जर के पिता शोजी लाल गुर्जर निवासी देवरी द्वारा रिपोर्ट पेश करने पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान भोपाल सिंह उ0न0 थानाधिकारी थाना उनियारा द्वारा प्रारम्भ किया गया। मुल्जिमान की तलाश हेतु थानाधिकारी थाना उनियारा के नेतृत्व में एक विशेष



पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टीम का गठन किया।

टीम द्वारा गोपनीय तौर पर आसुचना संकलन व तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुये शांतिर मुलजिम व मुख्य सरगना नाना उर्फ लुक्का गुर्जर व कुलदीप मीणा को जयपुर के गायत्री नगर से गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की। घटना में प्रयुक्त

गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर आज

निवाई, (निर्स)। उपखण्ड कार्यालय पर उपखण्ड अधिकारी रविकांतसिंह की अध्यक्षता में गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर को लेकर बैठक आयोजित हुई। उप अधिकारी रविकांतसिंह ने बताया कि शांति एवं अहिंसा निदेशालय जयपुर द्वारा प्रत्येक उपखण्ड में एक दिवसीय उपखण्ड स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन को लेकर 30 जून को सुबह 7 बजे अहिंसा सर्किल से रानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय तक गांधी दर्शन यात्रा निकाली जाएगी एवं रानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में गांधी जीवन को लेकर अनेक नाटक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। एवं गांधी दर्शन पर आधारित वक्तव्य, जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। समिति संयोजक महावीरप्रसाद परगना ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर को लेकर तहसीलदार अजीत बुन्देला को प्रशासनिक प्रभारी एवं नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी महिमा डांगी एवं राजस्व निरीक्षक मनीष गौर को सह प्रभारी के पद पर नियुक्त किया है।

सार-समाचार

स्काउट गाइड ने गौ सेवा की



बहरोड़/ नीमराना, (निर्स)। स्थानीय संघ बहरोड़ के स्काउट गाइड रोवर रंजर ने गुरुवार को जखराना की गोपाल गौशाला में पहुंचकर गायों की सेवा में उनके चारा पानी और बैठने की जगह को साफ किया जिस पर श्रमदान करने पर गौशाला संरक्षक ने प्रमाण पत्र और मोमेंटो भेंट किया। मानस तत्व अनुसंधान केंद्र बहरोड़ के पंडित अशोक बोहरा ने गोरक्षा एवं गोसेवा को विश्व में भारतीय संस्कृति की गौरवशाली पहचान बताया। गौरतलब है कि स्काउट विभाग बहरोड़ सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों के साथ ही अन्य कार्यों व पिछले कई वर्षों से जखराना गौशाला में जाकर सेवा कार्य निरंतर रूप से कर रहे हैं। इनमें विशेष सहयोग रामचंद्र स्काउट मास्टर और प्रभारी प्रवीण यादव को सेवा का पर्याय होने के चलते कमेटी के सदस्यों व रमाकांत संरक्षक ने खुश होकर उन्हें सेवा प्रमाण पत्र और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान गोपाल गौशाला जखराना संरक्षक व अध्यक्ष रमाकांत शर्मा, रंजर कोमल, गाइड तन्मय यादव, रोवर हिमांशु, विजय, अजय, पवन, स्काउट साहिल, प्रिंस, तुषार, तन्मय, राजेश, राजीव, आदित्य, अंकित, साहिल कुमार, भवानी, सोरभ, देवेन्द्र, अनोश आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने जलसेवा कर धर्मलाभ कमाया



फुलेरा, (निर्स)। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मण्डल के फुलेरा रेलवे स्टेशन पर रेलवे प्रशासन व व्यापार महासंघ फुलेरा एवं दैनिक रेल यात्रीसंघ एकीकृत के संयुक्त तत्त्ववाधान में 1 मई से फुलेरा रेलवे स्टेशन पर आवागमन करने वाले रेल यात्रियों को आरओ का शीतल जल निशुल्क पिलाया जा रहा है। गौरतलब है कि उक्त सेवा फुलेरा रेलवे स्टेशन पर प्रतिवर्ष ग्रीष्मकाल में पिछले करीब 50 वर्षों से निरंतर यहां के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा दी जा रही है। जबकि गुरुवार को स्थानीय बच्चों के द्वारा स्वैच्छा एवं उत्साह के साथ जल सेवा कर धर्मलाभ कमाया गया। जिसमें फुलेरा जंक्शन पर आवागमन करने वाली ट्रेनों के लगभग सभी यात्रियों को ठण्डा एवं आर ओ का फिल्टर पानी उपलब्ध करवाया गया। गौरतलब है कि वहीं उक्त जल सेवा का कार्यक्रम में प्रतिदिन स्थानीय व्यापारियों एवं दैनिक रेल यात्री संघ के पदाधिकारियों तथा स्काउट्स एण्ड गाइड्स सहित अन्य कई समाजसेवी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

ईदुलजुहा का त्यौहार मनाया

निवाई, (निर्स)। ईदुलजुहा का त्यौहार शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में उत्साह पूर्वक मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोगों ने त्यौहार को लेकर उत्साह दिखाई दिया। गुरुवार को शहर के जमात क्षेत्र में स्थित ईदगाह मैदान सामुहिक रूप से नमाज अदा की गई। इसके अलावा पटेल रोड स्थित जलेबी मस्जिद एवं शहर की अन्य मस्जिदों में भी ईदुलजुहा की नमाज अदा की गई। ईदगाह मैदान पर नमाज के समय से पूर्व ही मुस्लिम समाज के लोग नए वस्त्र पहनकर पहुंचे। जहां मौलवियों ने कुरान के संदेश को पढ़कर सुनाया। इसके बाद ईदुलजुहा की सामूहिक नमाज अदा हुई। ईदगाह व पटेल रोड स्थित जलेबी मस्जिद के सामने नमाज के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुस्लिम समाज के लोगों से गले मिलकर मुबारकबाद दी। मुस्लिम समुदाय की महिलाओं ने घरों में ही नमाज अदा की। इसके बाद घरों में कुर्बानी की रस्म अदा की गई। दिनभर मुस्लिम मोहल्लों में काफी चहल-पहल दिखाई दी।

हनुमान बेनिवाल का स्वागत किया

मालपुरा, (निर्स)। आरएलपी सुप्रिमी व सांसद हनुमान बेनिवाल गुरुवार की शाम मालपुरा पहुंचे। शहर के व्यास सर्किल पर जमा बेनिवाल समर्थकों व युवाओं ने आरएलपी सुप्रिमीों को राजस्थानी पगड़ी पहना फूल मालाओं से लादते हुए जोरदार स्वागत किया। बेनिवाल के स्वागत में उमड़ी भीड़ में भाजपा व कांग्रेस के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता सहित समर्थक भी शामिल रहे। जो कि राजनैतिक गलियारे में चर्चा का विषय बना रहा । स्वागत के दौरान युवाओं ने बेनिवाल से मालपुरा सीट पर आरएलपी प्रत्याशी उतारे जाने की मांग की। जिस पर बेनिवाल ने जल्द मालपुरा में एक आमसभा बुला जनमानस से राजनैतिक चर्चा का विश्वास दिलाया।

गुरु पूर्णिमा पर भजन संध्या

खैरथल, (निर्स)। स्थानीय बालाजी मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महाआरती एवं भजनसंध्या का आयोजन किया गया है। बालाजी परिवार ने बताया कि खैरथल के पुरानी मंडी में पांची देवी जयनारायण स्मृति उद्यान के पास बालाजी मंदिर में 3 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सांय 6.51 बजे से आयोजित भजनसंध्या एवं महाआरती में गायक कलाकार भरतपुर से राधिका शर्मा, खैरथल से मुकेश मस्ताना व राहुल खंडेलवाल और अलवर से अश्विनी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा बालाजी महाराज का संगीतमय गुणगान किया जाएगा।

कोटपूतली में नवसृजित महिला थाने का शुभारम्भ



कोटपूतली में गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव (बीच में) ने महिला पुलिस थाने का उद्घाटन किया।

गहलोट के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में महिलाओं व बालिकाओं पर होने वाले अपराधों व अत्याचारों में भारी कमी आई है। राज्य सरकार ने इस ओर विशेष ध्यान देते हुए लक्ष्य बनाकर काम किया है।

उन्होंने कहा कि कोटपूतली व आसपास में कई थाना क्षेत्र व बड़ा इलाका होने के बावजूद भी कोई महिला थाना नहीं था। जिसकी लम्बे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों के हित को

ध्यान में रखते हुए यहां महिला थाना खोला है। इससे जहां महिलाओं व बालिकाओं पर होने वाले अपराधों व अत्याचारों में कमी आएगी। महिला थाना अधिकारी सुनीता सैनी ने स्वागत भाषण दिया। वहीं कार्यक्रम का प्रशासनिक ओएसडी आईएसएस शुभम चौधरी, पुलिस ओएसडी आईपीएस रंजिता शर्मा, नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी, प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत ने भी सम्बोधित किया। सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत

किया गया।

इस दौरान एसडीएम सूर्यकान्त शर्मा, डीएसपी मदन लाल जैफ, तहसीलदार अभिषेक सिंह, एसएचओ मोगे लाल यादव, एड. दुर्गा प्रसाद सैनी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी, छीतरमल सैनी, एपीपी एड. भोजराज यादव, पी एल यादव, विराट यादव, पार्षद कृष्ण कारोडिया, रघुवीर गोयल, भीखाराम सैनी, नाहर सिंह पायला, बबलू बबेवाल समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

देवशयनी एकादशी पर्व मनाया

फुलेरा, (निर्स)। कस्बे में गुरुवार को देवशयनी एकादशी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर भगवान ठाकुर जी एवं श्याम जी के पकवान एवं माखन मिश्री का भोग लगाया गया। कस्बे पुराना फुलेरा स्थित प्राचीन ठाकुर जी महाराज मन्दिर के पुजारी आचार्य पण्डित शिवनारायण शर्मा ने बताया कि प्रातः ठाकुर जी महाराज का जलाभिषेक किया गया। इसके बाद माखन मिश्री एवं पंचमेवा का भोग लगाया गया। तत्पश्चात महाआरती की गई। वहीं आगे बताना कि देवशयनी एकादशी के बाद हिन्दू धर्म में मांगलिक दे कार्यक्रमों पर विराम लग जाता है। जबकि इसके साथ ही चतुर्मास प्रारंभ हो जाता है। इस सत्तेों के द्वारा कई अनुष्ठान संपन्न करवाये जाते है। इसके बाद अब देवउठनी एकादशी के साथ ही कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।

महिलाओं ने श्याम धाम यात्रा निकाली

खैरथल, (निर्स)। स्थानीय पुरानी अनाज मंडी श्याम मंदिर में गुरुवार को एकादशी पर पूरे दिन महिलाओं ने खादू श्याम बाबा के दर्शन करते हुए धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए। जिसमें कस्बे की पुरानी आबादी वार्ड नंबर 6 यादव मोहल्ला की महिलाओं द्वारा डोजे की धुन पर नाचती गाती हुई श्याम मंदिर में पहुंच कर श्याम ध्वजा चढ़ाई। बाला देवी, सुधानला, कमला, नीलम आदि की अगुवाई में सैकड़ों महिलाएं शामिल रही।

फागी में पहली बरसात से ही सड़क दरिया बनी



कस्बे के बीच से निकल रहे स्टेट हाइवे एक से डेड फीट तक पानी भरा गया।

फागी, (निर्स)। कस्बे के बीच से निकल रहे स्टेट हाइवे जो कि दूढ़ को मिलता है पर विगत तीन दिन से बरसात के कारण एक से डेड फीट तक भरा गया जिससे आमजन एवं रहगिरी को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं सम्बन्धित विभाग को इसकी सुघ लेने की सोची भी नहीं है। दूसरी ओर

कस्बे के मुख्य बाजार एवं अन्य सड़कों पर बनी नालियों की सफाई नहीं होने से बरसात से होने वाले हाल का अन्दाजा लगाया जा सकता है।

ओम प्रकाश शर्मा सरपंच ग्राम पंचायत फागी का कहना है कि ग्राम पंचायत द्वारा कई बार सार्वजनिक विभाग को पत्र लिखकर इस बारे में अवगत

करवाया गया किन्तु विभाग द्वारा न तो नालियों की सफाई करवायी गयी और न ही पानी निकासी की समुचित व्यवस्था की गई। जिससे आमजन को परेशानी हो रही है। अमृतराज मीणा सहायक अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग फागी का कहना है कि मुझे इस मामले की जानकारी ही नहीं है मैं कल ही इसे दिखवाता हूं।

गुजरात में फैक्टरी की दीवार ढही, 4 बच्चों की मौत

अहमदाबाद, 29 जून। गुजरात के पंचमहल जिले में बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक बंद पड़ी फैक्ट्री की दीवार गिरने से 4 बच्चों की मौत हो गई है। इस हादसे में पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं।

गुजरात के पंचमहल में भारी बारिश के बाद दीवार गिरने से यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि इस बंद पड़ी फैक्ट्री के पास टेंट लगाकर कुछ लोग रह रहे थे। लेकिन भारी बारिश के बाद

- इस हादसे में पांच अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं।**

अचानक फैक्ट्री की दीवार भरभराकर गिर पड़ी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई और 5 अन्य लोग घायल हो गए।

जिले के एसपी हिमांशु सोलंकी ने बताया कि पीड़ित परिवार मध्य प्रदेश के धार जिले के रहने वाले हैं। यह सभी यहां प्रवासी मजदूर थे। बंद पड़ी कैमिकल फैक्ट्री के पास एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे थे। यह साइट हलोल तालुका के चंद्रपुरा गांव में स्थित है। मृतकों बच्चों का परिवार इस फैक्ट्री की दीवार के नीचे तंबू बना कर रहता था।

गहलोत के पैर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहते हैं। जिस तरह से छत्तीसगढ़ में टी.एस. सिंहदेव को केन्द्रीय नेतृत्व के निर्णय व निर्देश पर राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया गया और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी घोषणा की, यह भी एकदम अप्रत्याशित घटनाक्रम रहा। मुख्यमंत्री बघेल को कड़वा घूँट पीकर, छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए संतुलन बनाने हेतु केन्द्रीय नेतृत्व के इस निर्णय को स्वीकार करना पड़ा।

राजस्थान में भी निकट भविष्य में चुनाव होने वाले हैं और नेतृत्व, पार्टी में सब कुछ व्यवस्थित करना चाहता है, लेकिन, गहलोत पूरी कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें दिल्ली ना आना पड़े। राजस्थान के राजनीतिक परिदृश्य पर लंबे समय से नजर रखे हुए एक वरिष्ठ नेता ने कहा, शायद नेतृत्व को ही जयपुर जाना पड़े, मुख्यमंत्री को झकझोरने और बाहर का रास्ता दिखाने के लिए।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसद के वापस मानसून सत्र से पूर्व मंत्रिमण्डल में फेरबदल को अंतिम रूप देने के लिए प्रधानमंत्री सोमवार को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। यह बैठक यहां प्रगति मैदान में नव निर्मित कन्वेशन सेंटर में आयोजित होने की संभावना है। यह कन्वेशन सेंटर सितम्बर में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। नड्डा के इस बैठक में भाग लेने के कारण राज्य स्तर सहित भाजपा संगठन और सरकार में बदलावों को लेकर क्रयास लगाए जाने लगे, क्योंकि पार्टी इस साल के अंत में होने जा रहे महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये तैयार हो रही है। गत कुछ दिनों में शाह, नड्डा तथा भाजपा महासचिव की बी.एल. संतोष ने संगठन एवं राजनीति संबंधी मुद्दों पर वार्ता के कई दौर किये हैं। इस साल के अंत में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिज़ोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं।

राजस्थान में औसत से 1 3 7 प्रतिशत ज्यादा बारिश बरस चुकी है

28 जून तक 131.7 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है तथा पिछले साल इसी अवधि के दौरान केवल 47.80 मिलीमीटर बरसात हुई थी

- प्रदेश में सिर्फ चार जिले ऐसे हैं जहां अभी तक सामान्य से कम बारिश हुई है, जबकि राजस्थान में आधे से ज्यादा जिलों में हो भारी वर्षा चुकी है।**

- बांसवाड़ा, झालावाड़ एवं प्रतापगढ़ में हल्की वर्षा हुई. यहां अभी भी बरसात की कमी है। इस बार प्रदेश का जैसलमेर एक मात्र ऐसा जिला है जहां अभी अल्प वर्षा ही हुई।**

98, जोधपुर के जसवन्तनगर में 80, कोटा के गांधीनगर में 73.6, पाली के मारवाड़ जंक्शन में 73, टोंक के बिसलपुर बांध क्षेत्र में 72, कोटा के सावन भादों में 70 एवं बाड़मेर एवं बाड़मेर ग्रामीण में 65-65 मिलीमीटर बरसात रिकॉर्ड की गई। विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार राज्य में गत 28 जून तक सामान्य औसत

वर्षा 55.32 मिलीमीटर के मुकाबले 131.7 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है जो सामान्य से 137 प्रतिशत अधिक है जबकि गत वर्ष इस दौरान केवल 47.80 मिलीमीटर बरसात हुई।

प्रदेश में अब तक 17 जिलों अजमेर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, श्रीगंगानगर, जालौर, जोधपुर, नागौर, पाली,

सवाईमाधोपुर, सिरोही एवं उदयपुर में असामान्य बरसात हो चुकी है तथा छह जिलों अलवर, चुरू, दौसा, जयपुर, झुंझुनू एवं करौली में सामान्य से अधिक बारिश हुई वहीं तीन जिलों बांसवाड़ा, झालावाड़ एवं प्रतापगढ़ में हल्की वर्षा हुई जहां अभी बरसात की कमी है। इस बार प्रदेश का जैसलमेर एक मात्र ऐसा जिला है जहां अभी अल्प वर्षा ही हुई और यहां अब तक सामान्य वर्षा 22.50 मिलीमीटर की जगह केवल 3.50 मिलीमीटर बरसात हुई जो सामान्य से 84.4 प्रतिशत कम है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष इस दौरान केवल चार जिलों में ही असामान्य वर्षा हुई और 16 जिलों में वर्षा की कमी थी।

इस बार राज्य में जोधपुर संभाग के जैसलमेर जिले को छोड़कर संभाग के सभी जिलों में भारी वर्षा हो चुकी है।

राज्यपाल ने जेल भेजे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहे हैं और कानून व न्याय की प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं। इसमें आगे कहा गयाहै कि प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट तथा इंडियन पीनल कोड के तहत राज्य पुलिस उनके खिलाफ कई अन्य केस भी चल रहे हैं। ऐसी आशंकाएं हैं कि मंत्री परिषद में बने रह कर वे कानून की प्रक्रिया एवं निष्पक्ष जांच पर विपरीत प्रभाव डालेंगे, जिससे राज्य की संवैधानिक मशीनरी टूट सकती है।”

राज्यपाल के एक्शन से एक बहस छिड़ गई है कि क्या राज्यपाल को ऐसे मंत्री को हटाने का अधिकार है जिसे जनता ने चुना हो। सामान्य रूप से राज्यपाल को पास अपने कोई अधिकार नहीं हैं, उसे ऐसे मुद्दों को सिर्फ मुख्यमंत्री और मंत्रिमण्डल की सलाह पर ही काम करना होता है। मंत्री के चयन, उन्हें पद पर बनाए रखने पर पद से हटाने पर राज्यपाल अनिवार्य रूप से निर्वाचित मुख्यमंत्री को सलाह माननी पड़ती है। क्योंकि मुख्यमंत्री को सदन का विश्वास प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी कि कानून के तहत राज्यपाल को यह करने का

अधिकार नहीं है, “हम कोई जाएंगे।” संवैधानिक विशेषज्ञों ने भी मुख्यमंत्री की बात का समर्थन किया और केरल के ऐसे मामले का उदाहरण दिया, जहां राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राज्य के वित्त मंत्री के.एन. बाल गोपाल पर से अपनी “प्रसन्नता” (प्लेजर) को हटा लिया था पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यह कह कर राज्यपाल की बात को खारिज कर दिया कि राज्यपाल को ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है।

द्रमुक (डी.एम.के.) प्रवक्ता पुहाज़ गांधी ने कहा कि “राज्यपाल की कार्यवाही संघवाद और राज्य की स्वायत्तता पर हमला है और कुछ नहीं।”

मुख्य सचिव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो वर्ष नई दिल्ली में युवा मामले एवं खेल मंत्रालय में सचिव पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। वहीं जुलाई 2017 से अगस्त 2020 तक आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की डायरेक्टर भी रह चुकी हैं।

“अजमेर 92” फिल्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को सिर्फ और सिर्फ अजमेर दरगाह और चिश्ती समुदाय के लोगों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ट्रेलर देखने से लगता है कि, घटना अजमेर दरगाह में हुई है और इसके सभी आरोपी चिश्ती समुदाय के ही लोग हैं। जबकि, वास्तव में सच्चाई यह है कि, आरोपियों में से सिर्फ दो लोगों के सरनेम चिश्ती हैं। ऐसे में, 14 जुलाई को रिलीज हो रही इस फिल्म का सिनेमाघरों और ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शन रोका जाए।

याचिका में कहा गया है कि, फिल्म के रिलीज होने से पहले हाई कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया जाए जिसमें केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, याचिकाकर्ता और उसके वकील को शामिल किया जाए। यह कमेटी सुनिश्चित करे कि, फिल्म के दृश्यों और संवाद में दरगाह शरीफ को लेकर कोई अपमानजनक व आपत्तिजनक सामग्री नहीं दिखाई गई है। इसके साथ ही यह भी देखा जाए कि, फिल्म या उसके प्रमोशन में दरगाह, दरगाह की रस्मों और चिश्ती

सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित किसी भी चीज को गलत रूप से नहीं दिखाया गया है व दरगाह की छवि को धूमिल भी नहीं किया गया है। यह कमेटी सात दिन में अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट के समक्ष पेश करे।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के विरुद्ध “ट्राइबल सॉलिडेरिटी मार्च” निकाला गया। हिंसा से पहले कुकी ग्रामीणों को आरक्षित वन भूमि से निकालने को लेकर छोटे-मोटे आंदोलन हुए। भाजपा ने सदा की तरह गांधी को गैर जिम्मेदाराना बताया। भाजपा नेता संखित पात्रा ने कांग्रेस नेता पर हमला बोलते हुए कहा, “यह दुखद है कि राहुल गांधी जिनके कारण मणिपुर जा रहे हैं। इस स्थिति में जिन की बजाय संवेदनशीलता अधिक आवश्यक है। पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी का व्यवहार बहुत गैर जिम्मेदाराना ही राहुल का जिम्मेवारी से कोई संबंध नहीं है।

‘इलाज में खर्च 10 लाख रु. ब्याज सहित लौटाए जाएं’

जयपुर, 29 जून (का.सं.)। जयपुर मेट्रो की स्थाई लोक अदालत ने हेल्थ पॉलिसी होते हुए भी अडेनोकासिनोमा कैंसर की बीमारी के इलाज पर खर्च राशि देने से इनकार करने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस करार देते हुए एच.डी.एफ.सी. अरगो जनरल इंश्योरेंस कंपनी पर 22 हजार रुपए हर्जाना लगाया है और विपक्षी कंपनी को निर्देश दिए हैं कि, परिवारी को बीमारी के इलाज पर खर्च हुए दस लाख रुपए, क्लेम खारिज करने की तारीख 14 नवंबर 2019 से भुगतान की तारीख तक तक 7 फीसदी वार्षिक ब्याज सहित भुगतान करे। अदालत के अध्यक्ष हरविन्दर सिंह, सदस्य शंभू दयाल शर्मा व सीमा शार्दूल ने यह आदेश संजय चोपड़ा के परिवार पर दिए।

स्थायी लोक अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर कहा कि, परिवारी को 1991 से लेकर 1997 तक बीमारियां हुई थीं और इलाज होने पर वह स्वस्थ हो गया था। इसके बाद उसने वर्ष 2011 से अतिरिक्त शुल्क देकर वर्ष 2020 तक लगातार हेल्थ पॉलिसी ली, तब वह बीमार

- लोक अदालत ने यह आदेश देते हुए एच.डी.एफ.सी. की अरगो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी पर 22,000 रु. का जुर्माना लगाया। लोक अदालत ने कहा हैल्थ पॉलिसी होने के बाद भी इलाज खर्च नहीं देना “अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस” है।**

नहीं था। वहीं मौजूदा बीमारी का पुरानी बीमारी से कोई संबंध नहीं है। ऐसे में इंश्योरेंस कंपनी परिवारी को इलाज पर खर्च हुई राशि देने से मना नहीं कर सकती।

परिवाद में कहा गया कि, परिवारी ने विपक्षी कंपनी से लगातार रिन्यू कराने के बाद वर्ष 2019 से 2020 की अवधि के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी। इस दौरान उसे गले में निगलने में परेशानी हुई तो डॉक्टर्स को दिखाया। जांच में पता चला कि उसे अडेनाकासिनोमा ऑफ ईसोफेगस बीमारी है। उसने मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल सहित जयपुर के दुर्लभजी हॉस्पिटल में इलाज कराया और जब 0०कैशलेस सुविधा देने के लिए कहा तो इंश्योरेंस कंपनी ने मना कर दिया। वहीं, जब परिवारी ने इलाज पर खर्च हुई दस लाख रुपए की राशि मांगी तो इंश्योरेंस कंपनी ने यह कहते हुए मना कर दिया कि, उसे बीमारी पहले ही थी। परिवारी ने इसे स्थाई लोक अदालत में चुनौती दी। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने बीमा कंपनी पर हर्जाना लगाते हुए इलाज में खर्च राशि लौटाने को कहा है।


MARUTI SUZUKI

NEXA

AN SUV MADE TO MATCH YOUR STRIDE.

PRESENTING

FRONX

THE SHAPE OF NEW





Scan to know more about FRONX

CREATE. INSPIRE.



1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid



360 View Camera



Head Up Display



NEXTre® Rear Combination Lights



In-Built Suzuki Connect



Wireless Charger

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO WWW.NEXAEXPERIENCE.COM TO BOOK YOUR TEST DRIVE.

CONTACT YOUR NEAREST NEXA DEALER: **JAIPUR:** NEXA MANSAROVAR (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **AJMER:** NEXA MAKHUPURA (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR:** NEXA MANHAR VILLA (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI:** NEXA BHIWADI CENTRAL (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA:** NEXA SUKHADIA CIRCLE (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER:** NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU:** NEXA JHUNJHUNU CENTRAL (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR:** NEXA CHOPASNI ROAD (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI:** NEXA PALI SUMERPUR ROAD (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA:** NEXA AERODROME CIRCLE (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR:** NEXA JHALAWAR SOUTH (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUUR:** NEXA BIKANER ROAD NAGAUUR (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR:** NEXA BHARATPUR CENTRAL (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR:** NEXA SIKAR JAIPUR ROAD (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR:** NEXA GANGANAGAR NORTH (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR:** NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), **DAUSA:** NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), **CHITTORGARH:** NEXA CHITTORGARH CENTRAL (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).

Accessories and features shown may not be part of standard equipment. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टॉक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन. आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाणा हाउस, हनुमान हव्वा, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-भूपत घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चुरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चुरू, फोन: 236906, 236907, फैक्स:01562-236908